

नवरात्रि का तीसरा दिन मां चंद्रघंटा



नवरात्रि के तीसरे दिन देवी चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप की आराधना करने से भक्तों पर विशेष कृपा बरसती है। तो यहां पड़िए मां चंद्रघंटा की उपासित से जुड़ी पौराणिक कथा। नवरात्रि का तीसरा दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप देवी चंद्रघंटा को समर्पित है। इस दिन माता चंद्रघंटा की उपासना करने से हर भय दूर होता है और जीवन की सारी विघ्न-बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। देवी दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों के लिए बड़ा ही कल्याणकारी माना जाता है। जो भी भक्त सच्चे मन से मां चंद्रघंटा की आराधना करता है उसकी देवी मां सदैव रक्षा करती है। बता दें किदेवी मां के माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित होने के कारण ही इन्हें चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है।

माता चंद्रघंटा को देवी दुर्गा का द्रुम रूप माना जाता है। मां चंद्रघंटा, जिनका महाराज सिंह है और जिनके दस हाथों में से चार दाहिनी हाथों में कमल का फूल, धनुष, जप माला और तीर है। वहीं पांचवां हाथ अभय मुद्रा में रहता है जबकि चार बाएं हाथों में त्रिशूल, गदा, कमंडलु और तलवार है और पांचवां हाथ वरद मुद्रा में रहता है। तो आइए जानते हैं कि मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की उपासित से जुड़ी पौराणिक कथा।

माता चंद्रघंटा से जुड़ी पौराणिक कथा

माता चंद्रघंटा की पूजा नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। माता को कल्याणकारी और भक्तों की रक्षा करने वाला माना जाता है। चंद्रघंटा माता से जुड़ी कथा हमारे पुराणों में मिलती है। कथा के अनुसार, चंद्रघंटा माता दुर्गा का ही अवतार हैं। माना जाता है कि महिषासुर नामक एक दैत्य था जिसने तीनों लोकों में आतंक फैलाया हुआ था। एक बार महिषासुर और देवताओं के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और महिषासुर की मंशा थी की वो देवराज इंद्र का सिंहासन प्राप्त करे। उसकी मंशा का पता लगने पर देवताओं ने त्रिवेदी ब्रह्म, विष्णु और महेश के सामने अपनी चिंता बताई।

जब त्रिवेदीयों को यह बात बता चली तो उन्हें क्रोध आया और उनके मुख से ज्ञान निकली। इसी ज्ञान से माता चंद्रघंटा का अवतरण हुआ। माता के अवतरण पर भगवान शिव ने उन्हें अपना त्रिशूल दिया, विष्णु भगवान ने अपना चक्र तो देव देव ने अपना धनुष उन्हें दिया वहीं सुर्य देव ने उन्हें अपना तेज प्रदान किया। देवताओं से शक्ति प्राप्त करने में माता चंद्रघंटा ने महिषासुर का वध किया और देवताओं की रक्षा की।

डांट-फटकार से परेशान छात्र ने की आत्महत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर में आठवीं कक्षा की छात्रा का शव उसके घर पर फंसे पर लटका मिली। घटना के बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना दिकारावा बासा क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, आकाश सेन छात्री इलाहा नगर स्थित सरस्वती शिक्षा मंदिर में आठवीं कक्षा की छात्रा थी। उसके परिवार ने स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि स्कूल में आकाश को काफी डांट-फटकार मग्य था। इसी बात से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। छात्रा पानी राजेश सिंह ने बताया कि आठवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है।

बंगला साहिब में प्रदर्शन पर सियासी बवाल केजरीवाल पर FIR - दिल्ली में रफ्तार लीकर सुरक्षा कड़ी, 6 मेट्रो स्टेशन बंद

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

राजधानी में SIR और वोटर लिस्ट विवाद को लेकर चल रहे प्रदर्शनों के बीच दो बड़ी खबरें सामने आई हैं।

बंगला साहिब गुरुद्वारे में प्रदर्शन पर FIR

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री (अक्रूट) को शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने अग्रद प्रमुख अर्चविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं के खिलाफ अग्रद्वार में को है। आरोप है कि आप कार्यकर्ताओं ने बंगला साहिब गुरुद्वारे में विविध प्रदर्शन कर अपरा-तफरी फैलाई और धार्मिक स्थल का राजनीतिक इस्तेमाल किया। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो शेयर करने का आरोप भी है। पुलिस फुटेज की जांच कर रही है।



20 लाख गड़बड़ियां दूर - CEO

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बताया कि विविध गहन पुरनिरक्षण (SIR) 2026 के तहत

चिन्हित 33 लाख तारिक गड़बड़ियों में से 20 लाख से अधिक का निपटारा कर लिया गया है। शेष पर काम जारी है। उखड़ ने कहा कि किसी पुरा मतदाता का नाम नहीं करेगा। इसके लिए 14,947 BLO, 902 AERO,

70 ERO और 13 DEO नैतान हैं। नए वोटरों के लिए कलेंजों में कैप लगाए गए हैं।

300 आमक पोस्ट हटवाई, 6 मेट्रो स्टेशन बंद

प्रदर्शनों के बीच अफवाहों पर रोक के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया मोनिटरिंग बढ़ा दी है। सार्वजनिक अशांति फैलाने वाली करीब 300 पोस्ट हटवाई गई हैं और से भी आपत्तिजनक सामग्री हटाने को कहा गया है। विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट मार्च के आह्वान पर सुरक्षा बढ़ाते हुए DMRC ने सोमवार सुबह 6 से शाम 4 बजे तक राजीव चौक, पटेल चौक, जनपथ, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय और बारारखंबा स्टेट मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश-निकास बंद रखा, हालांकि इंटरचेंज जारी रहा।

सरगुजा का 67 लाख का फर्नीचर घोटाला : EOW-ACB ने 20 हजार पन्नों का चालान पेश किया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-अधिकारपुर

सरगुजा में सर्व शिक्षा अभियान के तहत हुए फर्नीचर घोटाले में 15 साल बाद बड़ी कार्रवाई हुई है। EOW और ACB ने विशेष न्यायालय अधिकारपुर में 20 हजार पन्नों का चालान पेश किया है। मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ प्रभुचार निवारण अधिनियम 13(1)(D), 13(2) और IPC की धारा 120B, 409, 420 के तहत केस दायर किया गया है। जांच में शासन को 67,48,008 रुपये की आर्थिक क्षति पाई गई है।

क्या है मामला ?

2010-11 में अधिभाजित सरगुजा जिले के मिडिल स्कूलों में फर्नीचर खरीदी के लिए 2.70 करोड़ का आवंटन हुआ था। जिला मिशन संचालक और कलेक्टर के अनुमोदन से 10 फर्मों की 28 मार्च 2011



को कुल 2.68 करोड़ के चेक जारी हुए, शर्त थी 20 दिन में आपूर्ति। लेकिन तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक एसपी पांडेय ने कलेक्टर के भीतिक सत्यापन के बाद भुगतान के

निर्देश को दरकिनार कर लेखापाल प्रवीण सिन्हा से चेक लेकर 6 से 9 अप्रैल 2011 के बीच ही फर्मों को बांट दिए। बिना पावती, बिना गुणवत्ता जांच और बिना अनुबंध के भुगतान कर दिया गया।



ऐसे हुआ फर्नीचर

जांच में सामने आया कि पांडेय ने दर्शन फेब्रिकेटर रायपुर का क्रय आदेश उसके संचालक सुरेश

कटारिया को न देकर आकृति प्रिंटिंग प्रेस के संजय पटेल को दिया और उसी नाम से फर्नीचर खाला खोलवाया। संजय पटेल ने OBC बैंक अंबिकापुर में खाता खोलकर 22,91,909 रुपये

निकाल लिए। पृष्ठताछ में उसने 7 लाख रुपये कमीशन के रूप में पांडेय को देने की बात कबूली, फिर भी कोई फर्नीचर सप्लायर नहीं किया। इसी तरह महाराजी स्टील रायपुर के प्रेमचंद जैन ने 11,44,349 रुपये लेकर कोई आपूर्ति नहीं की (उनका निधन 07 अगस्त 2025 को हो चुका है)। बाकी 8 फर्मों ने आदेश से कम फर्नीचर दिया। चालान में सेवानिवृत्त DPC सत्यप्रकाश पांडेय, संजय पटेल, अजय अग्रवाल (अंबिका अलमोरा), ममता अग्रवाल (सेलेने स्टील), बिभी सिंह कटारिया, राजकुमार बंसल, संदीप तिवारी, हितेश अग्रवाल, तितेश अग्रवाल और संजीव गुप्ता शामिल हैं। EOW के मुताबिक दोनों मुख्य आरोपियों ने नोटिस के बावजूद सहयोग नहीं किया, जिसके बाद 19 अगस्त 2026 को रिफाटार कर 24 अगस्त तक रिमांड लिया गया था।

एसआईआर पर सियासी संग्राम सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

विपक्ष का लोकतंत्र मार्च, 11 नेताओं की संयुक्त याचिका, मंगलवार को सुनवाई संभव

7वें दिन प्रदर्शन जारी, जंतर-मंतर से हटकर 3 नए स्थल तय

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मतदाता सूची के विशेष गहन पुरनिरक्षण (SIR) और 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर चल रहा विपक्ष का आंदोलन सोमवार को सातवें दिन सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में INDIA ब्लॉक ने पहली बार संसद से सुप्रीम कोर्ट तक 'लोकतंत्र मार्च' निकाला और संयुक्त याचिका दायर की।

11 बड़े नेताओं की याचिका, EC पक्षकार

याचिका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे, राहुल गांधी, TMC सांसद सीताराम राय, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, RJD नेता तेजस्वी यादव, उखड़ (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (UBT) के संजय राउत, CPI के बी. राजा, JMM सांसद महुआ माजी, CPM महासचिव एम.ए. वेवेली और IJML नेता ई.टी. मोहम्मद बशीर ने दायर की है।

याचिका में SIR के दौरान बड़े पैमाने पर नाम काटने और गड़बड़ का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों निर्वाचन आयुक्त सुखवीर सिंह संघु व विवेक जोशी को पक्षकार बनाया गया है। याचिका पर मंगलवार को सुनवाई संभव है। सूत्रों के मुताबिक CJI सर्वकांत ने राहुल गांधी के मिलने के अनुरोध को यह कहते हुए टुकटु दिया था कि ऐसे मामले पहले से लंबित हैं, ज्ञापन के बजाय याचिका दायर की जाए।

राहुल का सीईसी पर निशाना, शिव के तांडव का जिक्र

दिन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने CEC ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देकर सरकारी गवाह



बनने को कहा और कहा, 'आप उखड़ पद पर टिक नहीं पाएंगे।' उन्होंने आंदोलन को 'शिव का तांडव' बनाते हुए कहा, 'शिव बारात में कोई भी आ सकता है' और दावा किया कि 200 अधिकारी उन्हें जानकारियां दे रहे हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने पलटवार करते हुए कहा, 'विरोध करना हक है, लेकिन संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान निंदनीय है।'

केरलम विधानसभा में CEC हटाने का प्रस्ताव

केरलम विधानसभा में CEC ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस नीत UDF सरकार वाला यह ऐसा पहला प्रस्ताव है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस की जीत गैरकानूनी थी?

सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता ने कहा कि ऐसे सियासी प्रस्तावों की कोई संवैधानिक अहमियत नहीं है, CEC को महाभियोग की प्रक्रिया से ही हटाया जा सकता है। वहीं तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष बी. मणिकम टेगोर ने DMK पर निशाना साधते हुए कहा कि SIR को हार का

कारण बताया जनता स्वीकार नहीं करेगी।

CJI का बयान और फॉर्म-6 पर स्थिति

पाबंदियों पर CJI सर्वकांत ने कहा, 'यह मेरा मुद्दा नहीं, कानून-व्यवस्था का मुद्दा है।' इस पर केरल कांग्रेस ने कहा, 'कानून-व्यवस्था आपका मुद्दा नहीं तो इस्तीफा दे दें।' उधर, CJI की अध्यक्षता वाली बेंच ने फॉर्म-6 के घोषणा-पत्र पर सुनवाई में स्थिति का उल्लेख करते हुए नजर आया है, न नमजूर - अभी वैधता जांची जाएगी।

जंतर-मंतर अब प्रदर्शन स्थल नहीं

दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया है। अब रामलीला मैदान, CBD ग्राउंड और बुराड़ी मैदान वगैरह गए हैं। इस साल रामलीला मैदान सिर्फ 29 से 31 दिसंबर तक खाली है। CJP के आशुतोष रांका और सीवर्ष दास ने संसद मार्ग थाने में 24 घंटे का अल्टीमेटम देकर तारीख मांगी है और कहा है कि नहीं मिली तो प्रदर्शन होगा। पुलिस के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है, आज सुनवाई है।

विशेष रिपोर्ट

सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष की नई रणनीति - राहुल की न्यायिक लड़ाई

प्रियंका-नेहा की जमीनी सक्रियता और अखिलेश का साथ

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

देश की राजनीति में इन दिनों टकराव का केंद्र संसद से निकलकर सड़क और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सुप्रीम कोर्ट का रुख, प्रियंका गांधी वाड़ा की बढ़ती सक्रियता और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ बन रहे नए समीकरण ने INDIA गठबंधन की रणनीति को नया मोड़ दिया है।

राहुल गांधी का सुप्रीम कोर्ट रुख: सियासत से न्यायापालिका तक

राहुल गांधी ने हाल के महीनों में चुनावी प्रक्रिया में भारदर्शिता, जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग और मानहानि से जुड़े मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। र। ज नौतिा के विशेषकों के मुताबिक यह विपक्ष की बदली हुई रणनीति है।

कांग्रेस का तर्क है कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बचाने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी है। वहीं सत्ता पक्ष इसे अदालती प्रक्रिया के जरिए राजनीतिक नरैटिव बनाने की कोशिश बता रहा है।

प्रियंका गांधी और महिला नेतृत्व का उभार

उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में प्रियंका गांधी



बाड़ा की सक्रियता ने कांग्रेस के जमीनी कैडर में नई ऊर्जा भरी है। उनके साथ युवा चेहरों की सक्रियता, जिनमें नेहा बोरा जैसे नाम चर्चा में हैं, को महिला नेतृत्व और आक्रामक जनसंपर्क के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रियंका की सभाओं में महर्माई, बेरोजगारी और अहिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सीधा हमला विपक्ष के लिए जनता से कनेक्ट का जरिया बन रहा है।



अखिलेश यादव फैक्टर: INDIA गठबंधन में यूपी का गणित

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस के तालमेल के बाद अब अखिलेश यादव की भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती दिख रही है। उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के समीकरण को देखते हुए अखिलेश और राहुल की जोड़ी को इखड़ के खिलाफ सबसे बड़ी चुनौती के रूप में पेश किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक सीए साइड स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बचाने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी है। वहीं सत्ता पक्ष इसे अदालती प्रक्रिया के जरिए राजनीतिक नरैटिव बनाने की कोशिश बता रहा है।

प्रियंका गांधी और महिला नेतृत्व का उभार

उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में प्रियंका गांधी

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

आपके विश्वास और थार से

नई इशान...

आपका धार और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। लोग हमारा कंटेंट देख रहे हैं, अब आपसे एक निवेदन है -

हमें देखो, सराई और

SUBSCRIBE / FOLLOW

आपका साथ हमारा मोबाइल बनाते हैं और हमें देता है और बेहतर करने की ताकत!

नियमक वरने

हमारा मकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है। जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

YouTube

नई दृष्टि बिंदु News

6K+ SUBSCRIBERS

7M+ VIEWS

आपके विश्वास की ताकत

Instagram

naidrishtibindu

10K+ FOLLOWERS

10K+ VIEWS

आपका साथ, हमारी पहचान

धमधा नाका ओवरब्रिज जर्जर, सड़कों के निर्माण में देरी पर अरुण वोरा ने जताई चिंता

58 करोड़ रुपये की स्वीकृति से बढ़कर लगभग 110 करोड़ रुपये पहुंचा अनुमानित खर्च

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के धमधा नाका स्थित रेलवे ओवरब्रिज की जर्जर स्थिति और शहर की प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों में हो रही देरी को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के अधिकारियों से मुलाकात कर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने ओवरब्रिज की वर्तमान स्थिति, मरम्मत की आवश्यकता तथा महाराजा चौक से बोरसी और जेल चौक से मिनीमाला चौक, पुलगांव तक सड़क निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया।

धमधा नाका रेलवे ओवरब्रिज लगभग चार दशक पुराना है। इसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रद्धेय मोतीलाल वोरा एवं तत्कालीन रेल मंत्री माधवराव सिंधिया द्वारा किया गया था।

वर्तमान में ओवरब्रिज की जर्जर स्थिति को देखते हुए इसकी सुरक्षा और मरम्मत का मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया है।

अरुण वोरा ने अधिकारियों से ओवरब्रिज की वास्तविक स्थिति का तकनीकी निरीक्षण करने तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत के लिए ठोस कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह ओवरब्रिज दुर्ग शहर के प्रमुख आवागमन मार्गों में शामिल है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। ऐसे में इसकी स्थिति की अनदेखी करना नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं है।

ओवरब्रिज से जुड़े प्रस्ताव और लागत का उल्लेख करते हुए अरुण वोरा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2020 में इस ब्रिज परियोजना के लिए लगभग 58 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी। अब इसकी अनुमानित लागत



बढ़कर लगभग 110 करोड़ रुपये होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में परियोजना की वर्तमान स्थिति, लागत में वृद्धि और आवश्यक कार्यों को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए, ताकि

निर्माण एवं रखरखाव से जुड़े विषयों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। अरुण वोरा ने महाराजा चौक से बोरसी तक तथा जेल चौक से मिनीमाला चौक, पुलगांव तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्यों में पिछले 4 से 5 महीनों से हो रही देरी पर भी चिंता जताई। निर्माण कार्यों और सड़क बढ़ाने के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों तथा रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि दीपावली सहित प्रमुख त्योहारों के दौरान इन मार्गों पर यातायात का दबाव और बढ़ जाता है। ऐसे समय में सड़कों का लंबे समय तक बंद रहना और निर्माण कार्यों में देरी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, इसलिए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना बेहद जरूरी है। अरुण वोरा ने कहा कि जर्जर ओवरब्रिज

और निर्माणधीन सड़कों की स्थिति को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यदि समय रहते आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा संबंधी उपाय नहीं किए गए, तो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने PWD अधिकारियों से ओवरब्रिज का तकनीकी निरीक्षण कराने, आवश्यक मरम्मत कार्य को प्राथमिकता देते तथा दोनों प्रमुख सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने की मांग की। साथ ही निर्माण कार्यों के दौरान नागरिकों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए उचित यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को बेहतर सुविधाएं देना है। इसलिए जरूरी है कि निर्माण कार्य निर्यात समयसीमा में पूरे हों और नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

खास खबर

लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की आधिकारिक यात्रा संपन्न, सेवा कार्यों का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी द्वारा डिस्ट्रिक्ट, रीजन एवं एरिया ऑफिसर की संयुक्त आधिकारिक यात्रा का आयोजन सेवा भावना के साथ संपन्न हुआ। यात्रा में डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस नरिम अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट प्रशासनिक लीनेस विद्या भूटानी, डिस्ट्रिक्ट सचिव सर्विसेज लीनेस सीमा यादव, डिस्ट्रिक्ट सचिव होम लीनेस रवि सक्सेना, रीजन ऑफिसर लीनेस रश्मि लखौतिया एवं रीजन सचिव लीनेस मीना सिंह उपस्थित रही।

दिनभर बसे चेला कार्य

पोटिया कला शासकीय विद्यालय में बच्चों को ड्राइंग किट वितरित की गई और पौधोपचार किया गया। बच्चों ने हिलक लगाकर स्वगत किया और जसगीत प्रस्तुत किया। पचनाभपुर थाने के सामने आंगनबाड़ी केंद्र में दो भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई, बच्चों को डेंटल किट और पौष्टिक भोजन दिया गया। आदर्श नगर उद्यान में क्लब बाइक लगाए गए झुले एवं बैच का उद्घाटन किया गया। महिला सशक्तिकरण के तहत सिलाई केंद्र का उद्घाटन हुआ, सदस्य लीनेस मीनाक्षी अग्रवाल ने स्थायी परियोजना के लिए एक सिलाई मशीन भेंट की।

दोपहर में होटल सागर इंटरनेशनल में इडउलैक हुई, जिसमें आय-व्यय और आगामी योजनाओं पर चर्चा हुई। बाद में आधिकारिक सभा में अध्यक्ष लीनेस आकांक्षा मिश्रा ने स्वागत भाषण और सेवा कार्यों की जानकारी दी, पूर्व अध्यक्ष का समर्थन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन लीनेस रवि सक्सेना ने किया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर लीनेस मीनाक्षी अग्रवाल रही और आभार लीनेस अनीता तिवारी ने माना।

निगम आयुक्त के आशवासन पर टला आंदोलन 20 अक्टूबर तक वेतन भुगतान का वादा

भिलाई चरौदा। नगर निगम भिलाई चरौदा के ठेका प्लेसमेंट सफाई कामगारों का दो माह से बकाया वेतन का मामला फिलहाल टल गया है। नगर निगम के ठेका आवासन के बाद कामगारों ने आज प्रस्तावित 2026 वेतन शर्माक कर दिया है। दरसाव, आरस और सितंबर 2026 का वेतन नहीं मिलने से कामगार आर्थिक संकट में थे। आज सुबह वे दुर्ग सांसद बचेल और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, तभी निगम आयुक्त दुष्यंत बिसेल जगपुत ने उन्हें वाता के लिए मुखालय बुलाया। बैठक में आयुक्त और सफाई दलगा विनु रानी के साथ सकारात्मक चर्चा हुई।

आयुक्त ने आशवासन दिए 20 अक्टूबर तक दो महीने का पूरा बकाया वेतन कामगारों के बैंक खातों में जमा कर दिया जाएगा। आशवासन के बाद कामगारों ने आंदोलन टालकर काम पर लौटने का निर्णय लिया। यूनिफन ने चेतावनी दी है कि यदि 20 तारीख तक भुगतान नहीं हुआ तो अतिरिक्तवाली आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी निगम और ठेकेदार की होगी। वार्ता में अशिम शिवारे, मुकुंद साहू, उमाशंकर चतुर्वेदी, उदय, सुकेश मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कामगार मौजूद रहे।



पेयजल व्यवस्था को मिलेगी मजबूती, पाइपलाइन विस्तार कार्यों का हुआ भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने और नागरिकों को नियमित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार विकास कार्य करार जा रहे हैं। इसी कड़ी में महापौर अलका बाघमार ने दो सप्ताह की विभिन्न कार्य में कुल 28.03 लाख रुपये की लागत से होने वाले पाइपलाइन विस्तार कार्यों का भूमिपूजन कर निर्माण कार्यों की शुरुआत कराई। इन कार्यों के पूर्ण होने से पटरीपार जयंती नगर और गंगापारा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही नागरिकों को रहत मिलेगी।

महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में पटरीपार सिकोला भाटा स्थित जयंती नगर सड़की मंडी के पीछे बाई क्रमांक 16 तथा बाई क्रमांक 38 में सीसी राई मिल के पीछे पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। इस कार्य पर 16 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। पाइपलाइन विस्तार से संबंधित क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बेहतर



होगी और स्थानीय नागरिकों को पानी की आपूर्ति में सुविधा मिलेगी। इसके पश्चात महापौर ने गंगापारा क्षेत्र में एनबीआई बैंक के समीप बाई क्रमांक 36 में दिनेश मारोटी के घर से प्रसिल लाइन तक पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। इस कार्य की लागत 12.03 लाख रुपये निर्धारित की गई है। दोनों कार्यों की

कुल लागत 28.03 लाख रुपये है। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नागरिकों की बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। शहर के सभी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आवश्यकतानुसार पाइपलाइन विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्य

कराए जा रहे हैं। निगम का प्रयास है कि प्रत्येक वाई के नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराए जाएं, ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। पाइपलाइन विस्तार कार्यों का भूमिपूजन होने पर संबंधित बाड़ी के पार्श्व एवं नागरिकों ने महापौर और निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभापति श्याम शर्मा, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, लोक कार्य प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, वित्त विभाग प्रभारी नरेंद्र बंगारे, एसआईडी सदस्य शेख चंद्रकार एवं जेनेरल ताइकर, बाई पार्श्व प्रतिभा गुप्ता, खिलवान मटियारा, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाई, खालिक रिजवी एवं युवराज कुंजाम, जिला भाजपा दफ्तर अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा, अरुण शर्मा, सुरेश गुप्ता, सहस्रक अभिषेक राजेंद्र दबावे, उप अभियंता विनोद मांडो सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं वाईवासी उपस्थित रहे।

मौनी बाबा आश्रम में बम्लेश्वरी पदयात्रियों के लिए भंडारा, तीसरे नवरात्र पर उमड़ी भीड़

नई दृष्टिबिंदु / राजनंदगांव

श्री गणेश मंदिर, मिथिला धाम मौनी बाबा आश्रम में डोंगराढ़ जाने वाले बम्लेश्वरी तीर्थ पदयात्रियों के लिए मौनी बाबा के भंडारे में प्रसाद वितरण किया जा रहा है। नवरात्रि तीसरे दिन पदयात्रियों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी देखी गई। आयोजकों के अनुसार आगामी चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी और सप्तमी को और अधिक संख्या में यात्री गणेश मंदिर पहुंचेंगे। यहां उनके लिए सत्कार, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

उक्त व्यवस्था मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंदिर के महंत ल्यागी बाबा और महंत के भंडारी मिश्रा जी द्वारा की जा रही है।



श्री गणेश मंदिर, मिथिला धाम मौनी बाबा आश्रम में डोंगराढ़ जाने वाले बम्लेश्वरी तीर्थ पदयात्रियों के लिए मौनी बाबा के भंडारे में प्रसाद वितरण किया जा रहा है। नवरात्रि तीसरे दिन पदयात्रियों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी देखी गई। आयोजकों के अनुसार आगामी चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी और सप्तमी को और अधिक संख्या में यात्री गणेश मंदिर पहुंचेंगे। यहां उनके लिए सत्कार, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

उक्त व्यवस्था मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंदिर के महंत ल्यागी बाबा और महंत के भंडारी मिश्रा जी द्वारा की जा रही है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, परिसर में अत्याधुनिक बायोसेफ्टी प्रयोगशाला स्थापित

छत्तीसगढ़ में जैव-सुरक्षा अनुसंधान को मिलेगी नई ऊंचाई, बीएसएल-3 प्रयोगशाला से खुलेंगे वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर परिसर में स्थापित अत्याधुनिक बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ ही वैज्ञानिक नवाचार और प्रौद्योगिकी के रोशनी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला के माध्यम से संक्रामक रोगजनकों को पहचान, उनके वैज्ञानिक अध्ययन, वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान तथा उन्नत नैदानिक तकनीकों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में वैज्ञानिक अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं का विस्तार राज्य के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन

आधारित अर्थव्यवस्था वाले छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की उच्चस्तरीय वैज्ञानिक सुविधा का विशेष महत्व है।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रयोगशाला सोसायटी द्वारा नवनिर्मित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक प्रवेशन सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गिरिश चंद्रन के प्रयासों की सहजता करते हुए ब्याई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला के माध्यम से पशुओं, पशुओं और मानव स्वास्थ्य से जुड़े संक्रामक रोगों, विशेषकर पशुओं से नुनुर्यों में फैलने वाले जूनोईक रोगों के अध्ययन एवं निगरानी को नई गति मिलेगी। यह सुविधा गंभीर



संक्रामक रोगों की शीघ्र पहचान, रोग प्रकोप से निपटने की तैयारी और उन्नत नैदानिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

शोधार्थियों को संक्रामक रोगजनकों के अध्ययन तथा वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे राज्य में कृषि जैव-प्रौद्योगिकी, पशु स्वास्थ्य और संक्रामक रोग अनुसंधान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के परस्पर संबंधों पर आधारित 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण को मजबूत बनाने में भी यह प्रयोगशाला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में रोगों की निगरानी और वैज्ञानिक समाधान विकसित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। श्री साय ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पहले से ही कृषि अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्वविद्यालय की फाउंडेशन दिवसीय प्रयोगशाला कृषि नमूनों, मूत्र, जल, फसल अवशेषों तथा अन्य नमूनों के परीक्षण एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीएसएल-3 प्रयोगशाला की

स्थापना से विश्वविद्यालय को वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमताओं को और अधिक मजबूत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सुविधा से वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं संबंधित विशेषज्ञों को उच्च जैव-सुरक्षा मानकों के अंतर्गत प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। इससे राज्य में कुशल वैज्ञानिक मानव संसाधन विकसित करने के साथ ही आधुनिक अनुसंधान तकनीकों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला भविष्य में संक्रामक रोग अनुसंधान, रोग निगरानी, जैव-सुरक्षा, पशु एवं जूनोईक रोगों के अध्ययन तथा रोग प्रकोप से निपटने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अग्रसरचना के रूप में विकसित होगी। इससे छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई गति मिलने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को अनुसंधान क्षमता और पहचान को भी मजबूती मिलेगी।

खास खबर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ ED ने दायर की चार्जशीट, 9 करोड़ की संपत्ति अटैच



नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ED के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ PMLA एक्ट के तहत विशेष न्यायालय (PMLA) रायपुर में 9 अक्टूबर को पूरक अभियोग शिकायत दर्ज की है। ED ने 8 अक्टूबर को रायपुर स्थित 9.06 करोड़ रुपये मूल्य की दो अचल संपत्तियां - अनुपम नगर और कटोरा तालाब स्थित दो प्लॉटों को अटैच करने का अंतिम कुकी आदेश भी जारी किया है। अग्रवाल को 11 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

860 करोड़ नकदी राजीव भवन पहुंची

ED जांच में खुलासा हुआ है कि 2019 से 2023 के दौरान शराब सिंडिकेट ने आबकारी विभाग और CSMCL को निर्यात कर 2,883 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की। इसमें देशी शराब पर कमीशन, नकली होलाग्राम से बेहिसाब बिज्जी, डिस्टिलरों से वार्षिक कमीशन और FL-10A लाइसेंस के जरिए वसूली शामिल है।

ED के अनुसार सिंडिकेट की नकदी का बड़ा हिस्सा पप्पू बंसल उर्फ लक्ष्मी नारायण बंसल समालता था और रामगोपाल अग्रवाल के निदेश पर शंकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पहुंचाई जाती थी। वहां अग्रवाल के अधीन काम करने वाले अकाउंटेंट देवेन्द्र डंडसेना को नकदी सौंपी जाती थी। जांच में लगभग 860 से 880 करोड़ रुपये इसी माध्यम से पहुंचना पाया गया, जिसमें से करीब 72 करोड़ रुपये अग्रवाल के नियंत्रण में रहे।

डिजिटल रिकॉर्ड, CDR और PMLA की धारा 50 के तहत बचपन से इसकी पुष्टि हुई है। इससे पहले ED इस मामले में 1 मुख्य और 6 प्रमुख चार्जशीट दायर कर पूर्व मंत्री कवारी लक्ष्मा, अनिल टुटेजा, अनवर डेवर, अरुण पति पिपटो, वैजन्त बबलर सहित 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और 601.28 करोड़ की संपत्ति जल कर चुकी है। ताजा कुकी के साथ कुल कुकी 610.34 करोड़ हो गई है।

नवनिर्वात राज्यापालों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई और शुभकामनाएं



रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा विभिन्न राज्यों के लिए नियुक्त राज्यपालों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने केरल के राज्यपाल के रूप में नियुक्त ओम प्रकाश माधुर, तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में नियुक्त राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, ओडिशा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त ब्रज मोहन गमा, कर्नाटक की राज्यपाल के रूप में नियुक्त डॉ. सुधा यादव, उत्तराखंड के राज्यपाल के रूप में नियुक्त डॉ. दाल सिंह बिशन तथा सिक्किम के राज्यपाल के रूप में नियुक्त दुष्यंत नीलम को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सभी नवनिर्वात राज्यापालों का दीर्घ सांजनिक जीवन, समृद्ध अनुभव और कुशल मार्गदर्शन संबंधित राज्यों की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगा तथा सुशासन, जनकल्याण और सर्वोपार्जन मूल्यों की ओर सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवनिर्वात राज्यापालों के सफल, यशस्वी एवं गरिमायव कार्यकाल की मंगलकामना की है।

आई-गाट प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को किया सम्मानित

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने यहां मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस, समन्वयक उपरिथी और आई-गाट में प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

विकासशील ने कहा कि मंत्रालय में अधिकारी-कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि मंत्रालय में 10 बजे से पूर्व आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मुख्य सचिव ने मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नितियों के वितरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया तथा कार्यालयीन समन्वयक उपरिथी सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को सितम्बर माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विभागिय श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन ई-ऑफिस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागों में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग द्वितीय तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग तृतीय स्थान पर रही।

संयुक्त सचिव श्रेणी में आदिम जाति विकास विभाग के भूपेन्द्र कुमार राजगुप्त द्वितीय, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के अनुपम त्रिवेदी द्वितीय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के रमेशचंद्रन आलोक तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती लवीना गणेश प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के किशोर कुमार भुआर्य द्वितीय तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन

विभाग के दुरदेशी राम सोन्तपार तृतीय स्थान पर रहे। अवर सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के पूरन लाल साहू प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के भूपेन्द्र सिंह राजगुप्त द्वितीय, गृह विभाग के सोनचंद शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के किन्दु कुमार प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की श्रीमती पी. दुर्गा द्वितीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के शिवकुमार गोड तृतीय स्थान पर रहे।

सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की श्रीमती वर्षा रानी अग्रवाल प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के बेनाथ कूदर द्वितीय, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सुशील प्रिया बागु तृतीय स्थान पर रही। वरिष्ठ सचिव/वरिष्ठ सहायक श्रेणी में सामान्य प्रशासन विभाग-1 के धनेश्वर प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के श्रीमती शैलेन्द्र टोयो द्वितीय, चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती ललीता राय तृतीय स्थान पर रही। कनिष्ठ सचिव/वरिष्ठ सहायक श्रेणी में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सुशील प्रिया खलखो प्रथम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अमर राठिया द्वितीय स्थान पर, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमोद सिंह राठिया तृतीय स्थान पर रहे। टैक्निकल स्तर/अवर में चिकित्सा शिक्षा विभाग के राम नरेश पात्र प्रथम स्थान पर, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अरुणेश्वर मिश्र द्वितीय स्थान पर तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सुशील तृतीय स्थान पर रही।

महाराजा अग्रसेन ने दिया दानशीलता व परोपकार का अमूल्य संदेश : राज्यपाल

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

राज्यापाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय यहां राजधानी रायपुर के श्री अग्रसेन भवन में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यापाल श्री रमेन डेका ने प्रशंसासिखों को हार्दिक नवाचन एवं श्री अग्रसेन जयंती की शुद्धिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाराजा श्री अग्रसेन जी ने समाज को दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश दिया। अग्रवाल समाज व्यवसाय के साथ समाज में भी अपना सार्थक योगदान दे रहे हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। यह समाज परिश्रम से स्वायत्त उद्योग-धंधों में लोगों को रोजगार देते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अग्रवाल समाज के लोग अग्रणी भूमिका में रहते हैं।

महाराजा अग्रसेन जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उद्घाटन के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उनके द्वारा दिए गए एक ईंट एक रुपया का सिद्धांत आपसी सहयोग और आत्मनिर्भरता की अनीछी मिसाल है। राज्यापाल श्री डेका ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने हमें सिखाया कि ज्ञान सभी से लेना चाहिए और दान भी देना चाहिए। नई पीढ़ी को त्वरित सफलता प्राप्त करने की जगह पारंपरिक मूल्यों का पालन



करना चाहिए। अग्रवाल समाज में पारिवारिक व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सुंदर परम्परा है। अग्रवाल समाज को आगे बढ़ाने में ज्योति प्रकाश करत है। अग्रवाल को महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि सभी की भागीदारी से ही सुंदर समाज का निर्माण हो सकता है। छत्तीसगढ़ में उद्योग एवं व्यवसाय को असीम संभावना है। अग्रवाल समाज अपने व्यापार में इन अवसरों का उपयोग करेंगे तो कई लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि यह समाज हमेशा परोपकार के क्षेत्र में अग्रणी रहता है। चाहे स्वास्थ्य शिविर हो या

गैरीस, धर्मशाला, सामूहिक विवाह या निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, अग्रवाल समाज हर रूप में आगे बढ़कर परोपकार करता है। आज भी गौमाता के लिए एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया है, यह अग्रवाल समाज की सेवा भावना को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हम भी विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए विज्ञान डायमंड के आधार पर मिशन मोड पर कार्य कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य राज्य की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से 75 लाख करोड़ रूपए तक पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में खनिज, वनोप, बिजली,

पानी सहित सभी संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। अग्रवाल समाज अपने व्यवसायिक परिश्रम से छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज लोगों को रोजगार देने के साथ ही समाजसेवा में भी अपना बहुमूल्य योगदान देता है। महाराजा अग्रसेन जी ने समानता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर चालू गौमाता के लिए गौरक्षा कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की डायरेक्ट्री आईटी एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया था। अग्रवाल गौशाला रायपुर द्वारा संचालित इस एम्बुलेंस की सुविधा मोबाइल नंबर +91-81090002139 पर कॉल कर ली जा सकेगी। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज रायपुर के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, मनमोहन अग्रवाल, प्रेमचंद अग्रवाल सहित अग्रवाल समाज के पदाधिकारी, गणमान्य जन व सामाजिक सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निर्माण के दौरान एक व्यक्ति को थपड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है? लोकतंत्र में एक अच्छे जनप्रतिनिधि की पहचान उसके स्वभाव, कार्यशैली और जनता के प्रति

जवाबदेही से होती है। आदर्श नेता वही होता है, जिसके कार्यों एवं निर्णयों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्पष्टता हो। वह पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को पालन करे और उसमें अपनी आलोचना सुनने का साहस हो। मगर जब सरकार में मंत्रिपद पर आसीन कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक स्थल पर आपा खो दे और जनता से दुर्व्यवहार करने लगे, तो उसे

किस तरह देखा जाएगा? दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निर्माण के दौरान एक व्यक्ति को थपड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है? वह घटना उस धारणा के खिलाफ विपरीत है, जिसमें उच्च पद पर बैठे जनप्रतिनिधि के

व्यवहार को समाज में मिसाल के तौर पर देखा जाता है। असहमति, आलोचना या विरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसी स्थिति में संयम और पार की गरिमा का खयाल रखा जाना बेहद जरूरी है। गौरीलाल है कि वही रविवार को आप विधासभक जर्नेल सिंह ने मंत्री प्रवेश वर्मा को मौजूदगी में सड़क को सतह का कुछ हिस्सा उखाड़कर मरम्मत कार्य की

गुणवत्ता पर सवाल उठाया था। आरोप है कि इस दौरान मंत्री ने घटना का वीडियो बना रहे एक व्यक्ति को थपड़ मार दिया। उनका दावा है कि संबंधित व्यक्ति ने उनके परिवार के बारे में अपशब्द कहे। इस घटना से जुड़े आरोप-प्रत्यारोप जांच का विषय है, लेकिन सवाल है कि क्या मंत्री को हिसक प्रतिक्रिया को उचित ठहराया जा सकता है? अगर उनके साथ कोई

दुर्व्यवहार हुआ, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती थी। सड़क की गुणवत्ता हो या किसी अन्य सार्वजनिक समस्या का सवाल, उनका समाधान उस व्यवहार से नहीं, बल्कि तर्क, जांच और कानून के दायरे में ही हो सकता है। सार्वजनिक जीवन में पद से अधिक महत्वपूर्ण उसकी गरिमा और मर्यादा होती है।

सबसे दुखद यह है कि समाज में सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं। अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणसासन हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणसासन हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणसासन हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणसासन हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले को नीचा या निरीह समझना।

आरबी त्रिपाठी
आजकल जिसे देखो वह बहुत जल्दी में दिखाई देता है। अपने चारों ओर प्रायः रोजाना ही आप खुद देखते तथा महसूस करते होंगे कि लोग खासकर युवा जेन - जी कहलाते वाले, अंधेड़ उम्र के महिला-पुरुष, युवक- युवतियां बड़े अधीर, बेचैन, असहज, बेसब और बिगड़बिंदी देखे जाते हैं। हां अगवादा स्वरूप ही सही उम्रदराज सीनियर सिटीजन जरूर शांत, सुकून, धैर्यवान रहकर जीवन जीवन जीते दिखाई देते हैं। यह समस्या सरसरी तौर पर तो थोड़ी सामाजिक, आर्थिक तथा ऊष्ण-पाह भरी व्यस्त जीवन शैली और खान-पान से जुड़ी हुई है जिसका उपचार हरेक को अपने भीतर ही तलाशना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में तो इसे थोड़ा इंगोइटी, ओवर थिंकिंग या पारिवारिक तथा मानसिक समस्या करार दिया जाता है। यहां हम इसके सभी पहलुओं को सामने ला रहे हैं।

आपने आस-पास सर्वाधिक जल्दबाजी, अधीरता, बेचनी और एक तरह का अतृप्तता देखने में आता है सड़कों, चौकों, ट्राफिक सिग्नल पर जहां हर कोई जल्दी में, ओवरटेक की होड़, बाहनों के ठीक आगे दायें बायें कट मारकर आगे निकलता दिखाई देता है। खासकर टू व्हीलर, बाइकर्स, ऑटो टाका कुकुर मुत्तों की तरह गु आये ईश्वरका सहित कई तरह के छोटे बड़े वाहन ट्राफिक को खूबारू चलने बाधक बनते हैं। ऑनलाइन सुनार की चीजें और वस्तुएं चुरों के द्वार तक पहुंचाने वालों की भूमिका भी ट्राफिक को बिगाड़ने में कम नहीं है।

सो, सड़कों प्रमुख चौकों पर बड़े ट्राफिक के अनुपात में यातायात और पुलिस कर्मियों की कमी भी स्पष्ट दिखाई देती है। हालांकि जससंख्या और शहरीकरण के बढ़ते बढस के चलते हरक जगह इनकी मौजूदगी संभव भी नहीं होती। सो, लोगों को अपनी सुरक्षा का स्वयं ध्यान रखना होगा।

इस बात में ट्राफिक नियमों का ईमानदारी से पालन करने वालों के समक्ष ज्यादा दिक्कतें पेश आती हैं। ट्राफिक नियम तोड़ने वाले ना तो चालानी कार्रवाई से डरते हैं ना ही पुलिस कर्मियों से। सो, आये दिन ऐसे दृश्य देखने में आते हैं जहां व्यर्थ की बढस या किसी नजदीकी 'भैया' से मोबाइल पर बात कराने या अन्य संपर्कों का हवाला देकर किसी तरह छूटने और कार्रवाई से बचकर निकलने की जुगाड़ जमाते लोग नजर आते हैं। भले ही ये कर्म की किसी भैया से बात करनी नहीं चाहते हों। तस्वीर का दूसरा रूप यह भी

इतने अधीर क्यों होते जा रहे हैं हम लोग



है कि अधिकार चौकों पर जहां ट्राफिक सिग्नल हो ना हो वहां तैनात कर्मी आपस में बात करते या मोबाइल पर व्यस्त दिखाई देते हैं। भोपाल में तो कुछ समय पहले ऐसे कर्मियों पर कार्रवाई भी की गई है।

हाल ही में पहले प्रदेश के बड़े शहर इंदौर और भोपाल की कुछ घटनाओं का जिक्र समीचीन होगा जिसमें कवरड कैम्पस में घुसने पर रोकने वाले सुरक्षा गार्ड को कार चालक ने कथित तौर पर कुचलकर मार डाला। अनेक शहरों में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं उदाहरण के रूप में सामने हैं। भोपाल में रीडायर्ड ऑटोएस की निमग्न हथका का आरोपी अभी तक पुलिस के हवाले नहीं लाया गया।

कई जगह सीनियर सिटीजन के साथ आपा-पास के पड़ोसी दुर्व्यवहार कर धमकियां देते हैं लेकिन ऐसा करने वाले बैखोफ घुमते रहते हैं। इंदौर के राजवाड़ा इलाके में एक बस ने दो तीनों लोगों को रौंद डाला तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाइक सवार युवती को कार चालक ने ऐसे

टक्कर मारी कि वो बहुत दूर तक फिस्टटी रही और घायल हुई। गनीमत है उसने हेलमेट पहना था। सो, ऐसी घटनाएं रोजाना ही घटती रहती हैं जिसे ज्यादातर लोग अखबार के पन्ने की तरह फ्लटकर भुला देते हैं।

सबसे दुखद यह है कि समाज में सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं।

अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं और घायल होकर चाहे मरणसासन हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले या तो वीडियो रील बनाते दिखाई देते हैं या सिर्फ तमाशावादी। मदद के लिए उठने वाले हाथ या अपनी सज्जरी चमचमाती कार रोककर घायल को हॉस्पिटल पहुंचाने वाले परोपकारी अगवादा स्वरूप ही हैं। जैसे वह काम उनका नहीं बल्कि पुलिस, एंबुलेंस या डाक्टर 112 के जिम्मे ही है, उन्हें क्या लेना- देना।

आजकल जहां देखो भीड़ाड़ बड़ रही है। सोशियोलॉजी कहती है किसी भी व्यक्ति का अकेले या समूह में और भीड़ में व्यवहार अलग-अलग होता है। इसे ही भीड़ व्यवहार कहा जाता है। इस भीड़ का नेतृत्व या अग्रणी कितन हथों में है, इसी पर निर्भर होता है कि भीड़ क्या करने वाली है। इन दिनों राष्ट्रीय राजधानी से लेकर अधिकांश प्रदेशों में आंदोलनों, प्रदर्शनों, जुलूसों, समागमों में भीड़ जुट रही है। कहीं कहीं भीड़ कानून अपने हाथों में ले लेती है या कानून का उल्लंघन करती है यही भीड़ व्यवहार है। जब भीड़ अनियंत्रित होकर व्यवहार करती है तो व्यवस्था को अप्रिय कदम उठाना पड़ता है। अखिर सुरक्षा कर्मी भी मनुष्य ही हैं जिन्हें अपने बड़े ऑपरेशन के हुकूम की तामील करनी ही पड़ती है। समाज शास्त्र में इस अवधारणा की विवाद व्याख्या की गई है।

उधर पॉलिटिकल साइंस में प्रेशर ग्रुप को लेकर कहा गया है कि यह कोई राजनीतिक दल नहीं होता बल्कि ऐसा समूह होता है जो व्यवस्था के कामकाज पर तुरंत रखबंद व्यापक रूप से जो लोगों के हित में हो उसे करने या उपयुक्त ना हो उसका प्रतिरोध करता है।

दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे आंदोलन, प्रदर्शन इसी श्रेणी में आते हैं। राजनीतिक दलों का प्रतिपक्ष या आंदोलन, उनके अपने उद्देश्यों को हासिल करने को लेकर होते हैं यह कहा जा सकता है। सोचें, यदि प्रेशर ग्रुप अपना दायित्व ना निभायें तो अनेक मामलों का खुलासा शायद ही हो सकेगा। जेन- जी, अल्पना- जेन, सुप्रिया कोई सहित अन्य वक्त्रों के प्रदर्शन, कई यूट्यूब, तथ्य टफ्लेंस और स्वतंत्र मीडिया से जुड़े लोग भी प्रेशर ग्रुप की तरह ही काम कर रहे हैं। आगे आने वाले वक्त में इसके क्या नतीजे होंगे यह समय के हाथों है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाया कला नहीं है?

पंकज तिवारी

ई.वी. हैवेल जिनका योगदान भारतीय कला को अंग्रेजी मानसिकता से मुक्त करने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा, बीसवीं शताब्दी के शुरुआत में जब भारतीय युवा कलाकार विदेशी शैली, विषयवस्तु को तर्फ आसानी से फिसलते जा रहे थे उस समय उन कलाकारों को भारतीय कला धाती के प्रति जग कर उन्हें भारतीय भावों के बल पर आगे बढ़ने को प्रोत्साहित कर भारतीय कला जगत के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करी थी, जिसकी गिनती उस समय के महत्वपूर्ण कार्यों में होती है लेकिन रवि वर्मा पर उनकी भी नजर कुछ टैडी ही थी, वर्मा जो पर भारतीय काव्य की मूल भावना से हटने का आरोप लगाया है हैवेल साहब ने। हो सकता है उनके निगाह में उनकी अपनी बातें सही प्रदर्शित लगती हो पर इस बात पर बहस के पहले उनके कुछ चित्रों पर गौर करने की जरूरत सी महसूस हो रही है चित्र 'शकुन्तला का अपने प्रिय को देखना' देश में तैल रंग के शुरुआत का दौर, शुरुआत में ही बिना प्रशिक्षण के ही इतना मनभावन सज्जन, केश, वस्त्र, रंग, एर्नाटिमी और भावों का आपसी संतुलित सामंजस्य। बहाना पर से कटा निकालने का और निगाह पीछे तनिक दूरी पे किसी के ऊपर, एकतरफ, आँखें उम्मीद की सागर सी जान पड़ती है। क्या विवाह के पूर्व राम और सीता के एक-दूसरे को निहारने को लेकर जो काव्य रचे गये हैं, से कम भा भाव आँका जा सकता है इस चित्र में, पुष्टभूमि में सखेगी जल, जमीन, जंगल खुद ही कविता कहने में सक्षम है। हालांकि कहना नहीं चाहिए इसका ऐसा प्रतीत होता है कि हैवेल के इस कथन के पीछे उन्के बंगाल स्कूल और वास पदक के प्रति प्रेम का असर है। हो सकता है कि इस आलेख में भी कुछ लोगों को मेरे जर्नल पर वर्मा जी के प्रति नेह का असर झलके पर कोई संदेह नहीं कि हमेशा हर परिस्थितियों पर चर्चा होनी चाहिए इसलिए आगे भी कोई इस पर कुछ रोज तो उसके भी नेह को जबर देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिद्वार और ताम्रपती नामक चित्र में भी खुद दर्शक है। तारामती के व्यक्ति आँखों का दृष्टिकोण करण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वंशना जैसे सब कुछ खो जाने का भाव अनायास ही देख पड़ता है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाया कला नहीं है? क्या यह सच है? ऐसे ही तमाम प्रश्न उठाय गए थे राजा रवि वर्मा को लेकर के। उनकी कृतियों धार्मिक है, उनके कृतियों में किरूसा हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कार हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कृति हुआ करती थी, उनके कृतियों में समाज हुआ करता था, उनके कृतियों के रसोंक हुआ करते थे उनकी कृतियों लोगों के जेहन में उतर गई थी। बस समस्या यह थी कि उनकी कृतियां यथार्थ के धरातल पर थीं फलतः कला में उनके कद को लेकर विवाद हमेशा व्याप्त रहा। जीते जी भी उन्हें कई विवादों से गुजरना पड़ा कोर्ट तक के चक्कर लगाने पड़े और अपना वकील भी खुद ही बनना पड़ा हालांकि तार्किक क्षमता के बल पर जीतो भी हासिल हुई। विवाद तब भी था विवाद आज भी है। प्रसंस्कृत तब भी थे प्रसंस्कृत आज भी हैं तब रविद न्याय टैगोर के भतीजे बालेंद्र नाथ टैगोर के जैसे उनके कृतियों के प्रसंस्कृत हुआ करते थे और आज....

25 वर्षीय युवा बिना किसी प्रशिक्षण के वियना के चित्र प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त करता है। लोगों की निगाह वहीं से इनकी तरफ को मुड़ती है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है। कि 1872 में चेन्नई में पहली प्रदर्शनी करने वाले वर्मा जी की कृति वियना में 1873 में अपने पहचान के साथ आगे बढ़ी और ठीक 20 साल बाद 1893 में सिकागो में आयोजित वर्ल्ड कोलंबियन एक्सीबिशन में स्वामी विवेकानंद के आग्रह पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लगभग 10 चित्र प्रदर्शित करते है इस प्रदर्शनी को गिनती 19वीं शताब्दी की महत्वम अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में होती है। रवि वर्मा को पुरस्कृत भी किया गया। 20 वर्षीय संयोग के बाद शतकीय संयोग भी बना और 1993 में उनके चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में हुई। प्रदर्शनी के बाद विरोध भी हुआ खुले तौर पर विरोध हुआ आधुनिक भारतीय कलाकार जो उस समय सक्रिय थे, में कुछ खुद को प्रमुख मानने वाले कलाकार राजा रवि वर्मा के इस प्रदर्शनी को लेकर कुछ ज्यादा ही विचलित थे। ऐसे कलाकार जिनका कला में कोई कोमोडन ही ना हो' को इस तरह प्रमोट करने से भारतीय कला को भला क्या फायदा पहुंच सकता है? जैसा बातों को कहने वालों के बावजूद इनकी प्रदर्शनी हुई और सरसरी भी गईं राजा रवि वर्मा के चित्र लोगों के जेहन में आज भी जस के तस बचकाने हैं। प्रसिद्ध कला समीक्षक शेखराम ली की बात-

‘कोई भी महान कला या धर्म जनसाधारण की सज्जन के पर नहीं होती और वह यदि ऐसी नहीं है तो वह असफल है’ मतलब वर्मा की कला महान भी है और सफल भी कारण जनसाधारण के समझ में है। उनकी एक कृति 2007 में करोड़ सखा अदा करोड़ में बिकी, यही महानता उनकी सदा बनी रहे।

12 अक्टूबर : डॉ. राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि

देश विभाजन के साथ मिली आजादी से दुखी थे डॉ. लोहिया

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक

चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे

कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक

सामाजिक, लोकतांत्रिक और

राजनीतिक आंदोलनों का कुशल

नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत

छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने

ब्रिटिश सरकार की नज़रों से बचकर,

उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत

रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस

रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज

हुकूमत की नाक में दम कर दिया था।

इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने

गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से

मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-

आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही

उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी

हटाओ% आंदोलन की भी कमान

संभाली।

संवरमल अग्रवाल

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल खोखले भाषणों पर विश्वास नहीं करते थे। वे -रोज़ी-रोटी कपाड़ों, दार, बरना गाड़ी छोड़ दो', -अंग्रेजी हटाओ' और पिछड़ों, दलितों तथा महिलाओं के लिए 60ख आरक्षण की पुर्जो पर खलल करने वाले नेता थे। वे भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और एक ऐसे अद्वितीय राजनेता थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय और समानता की गई नींव रखी थी।

लोहिया जी पहली बार 1963 में उर प्रदेश की फरेंचबाद लोकसभा सीट के उच्चनाव में विजयी होकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद 1967 के आम चुनाव में भी वे फरेंचबाद सीट से ही दोबारा सांसद चुने गए। इसी वर्ष 12 अक्टूबर 1967 को वह दिल्ली में उनका निधन हो गया था। उनका उम्र 23 मार्च 1910 को उर प्रदेश के अकबरपुर में एक भारवाड़ी वंश परिवार में हुआ था, लेकिन वे प्रारंभ से ही जातिवाद की संकीर्ण सीमाओं को तोड़ने के पक्षधर थे। वे छुआछूत के घोर विरोधी थे और स्वयं को किसी एक जाति के दायरे में बांधकर नहीं खना चाहते थे। उनके विचार, कर्म और कार्य पद्धति पूरी तरह से मानवीय समानता पर आधारित थे। देश के विभाजन के आधार पर मिली आजादी से वे अत्यंत दुखी थे, इसी कारण उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस से अपना रास्ता हमेशा के लिए अलग कर लिया था।



डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक सामाजिक, लोकतांत्रिक और राजनीतिक आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नज़रों से बचकर, उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी हटाओ% आंदोलन की भी कमान संभाली।

डॉ. लोहिया एक ऐसे राजनेता थे जो राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों और शुचित के पक्षधर थे। वे राजनीति की गंदी गलियों में भी शुद्ध आचरण की वकालत करते थे। वे सिद्धांतों के इतने पक्के थे कि जब उनकी अपनी ही पार्टी (प्रजा सोशलिस्ट पार्टी) की सहभागिता वाली राय सरकार के प्रशासनिक कार्यपालक में आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, तो उन्होंने अपनी ही पार्टी के मुखमंथरी से तुरंत इस्तीफे की मांग कर दी थी। वे कहते थे कि भारत की राजनीति में तब तक समाई और शुद्धता नहीं आ सकती, जब तक किसी पार्टी के गलत कार्यों की निंद उल दे के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा न की जाए। लोहिया जी ने गर्व से कहा था -‘इसमें यह कहने का पूरा हक है कि हम ही भारत में एक मात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी हैं, जिसने अपनी ही सरकार की गलत नीतियों को निंदा की। सिर्फ निंदा ही नहीं की, बल्कि उसे स कदम मजबूर किया कि अंततः उस व्यवस्था में बदलाव लाया जाए।’

डॉ. राम मनोहर लोहिया पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों ही चरम विचारधाराओं के कड़े आलोचक थे। उन्होंने इन दोनों के विकास के रूप में एक तीसरी विचारधारा- नैतिक या मानवीय मूल्यों पर आधारित लोकतांत्रिक समाजवाद का प्रतिपादन किया था। समाज से हर प्रकार की असमानता को समाप्त न करने के लिए उन्होंने %समाज क्रांति% (समाज क्रांतियों) का दर्शन दिया, जिसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित थे- स्त्री और पुरुष के बीच पूर्ण समानता। तत्वा के रंग (नस्ल) के आधार पर होने वाली असमानता के निरुद्ध संयोग। जाति और जन्म आधारित ऊंच-नीच का अंत। आर्थिक गैर-बराबरी (अमीरी-गरीबी को खाई) को पाटना। व्यक्तिगत जीवन में विदेशी हस्तक्षेप को रोकना और निजी स्वतंत्रता की रक्षा करना। दुनिया के सभी राष्ट्रों के बीच असमानता के खिलाफ संयोग। अस्व-शास्त्र (हिंसा) के खिलाफ सत्याग्रह। अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. लोहिया उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गए, जहां उन्होंने बर्लिन विश्वविद्यालय से 'मनक सत्याग्रह' विषय पर अपना शोध ग्रंथ लिखा, जिसके आधार पर उन्हें 1932 में पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त हुई। वे हिंदी के अतिरिक्त अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच सहित कई भाषाओं के प्रकांड ज्ञाता थे। वे बहुत कम उम्र में ही आजादी के आंदोलन से जुड़े थे और 1936 में कांग्रेस पार्टी के भीतर गठित 'परराष्ट्र विभाग' के पहले सचिव बनाए गए थे। वे सत्ता के किर्तितंद्रण के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शासन को लोकतांत्रिक ढंग से चलाने के लिए 'चौखंडा राज्य व्यवस्था' का मॉडल देश के सामने रखा, जिसमें सत्ता के चार स्तंभ- गांव, मंडल (जिला), प्रांत और केंद्र

शामिल थे। उनका मानना था कि इन चार स्तंभों पर शासक के समान विभाजन के बिना वास्तविक लोकसत्ता मजबूत नहीं हो सकती।

डॉ. लोहिया मौलिक रूप से एक ठेठ देशी चिंतक थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की राजनीति में वे एक ऐसे विचारक थे जो इतिहास, संस्कृति और अपनी भाषा के संदर्भ में पंडित के सिद्धांतों को उधार लेकर व्याख्या करने को कर्तव्य नहीं मने थे। 60 के दशक में देश में अंग्रेज द्वारा शुद्ध किया गया %अंग्रेजी हटाओ आंदोलन% देश के निने-चुने अंग्रेजों को सज्जन के पर नहीं होती और वह यदि ऐसी नहीं है तो वह असफल है' मतलब वर्मा की कला महान भी है और सफल भी कारण जनसाधारण के समझ में है। उनकी एक कृति 2007 में करोड़ सखा अदा करोड़ में बिकी, यही महानता उनकी सदा बनी रहे।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लोहिया जी कई बार जेल गए और वहां ब्रिटिश हुकूमत की अमान्यताएं यतानएं भी सही। आजादी से पहले लोहिया के भीतर उनका एक प्रभावशाली सोशलिस्ट पंथ था। 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से मुक्ति मिलने पर वे उत्साहित तो थे, लेकिन विभाजन की भारी कोमत पर मिली इस स्वतंत्रता के कारण वे गहरे अवसाद में थे।

अपने घर को खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है इनडोर प्लांटिंग

आज के समय में अधिकतर लोग प्लांटिंग करना काफी पसंद करते हैं। भले ही स्पेस कम हो, लेकिन फिर भी वे इनडोर प्लांटिंग करते हैं। यह अपने घर को बेहद ही खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपने घर के अंदर प्लांट्स लगाए और वे कुछ ही दिनों में मुरझा जाए या फिर उनकी गंध ही ना हो, तो यकीनन आपको काफी निराशा होगी। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते समय हम उनका ध्यान नहीं देते हैं। पौधे के पौधे तत्व मिट्टी से ही मिलती हैं। अमुन इनडोर प्लांटिंग के लिए हमें पॉटिंग मिक्स भी तैयार करना होता है। चूंकि आपके आसपास कई तरह की मिट्टी होती है तो आपको पहले अपने पौधे और उसकी जरूरतों को समझना होता है और फिर उसी के अनुसार मिट्टी का चयन करना होता है।

पॉटिंग मिक्स का करें चयन
इनडोर प्लांटिंग के लिए पॉटिंग मिक्स सबसे अच्छे माने जाते हैं। इनमें कई, धूम्रियुल्ट्रा और पेरलाइट आदि का एक सही मिश्रण होता है। ऐसे में जब इनका इस्तेमाल इनडोर प्लांट्स के लिए किया जाता है तो उसे सभी आवश्यक पौधक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इतना ही नहीं, इनका ड्रेनेज सिस्टम भी काफी अच्छा होता है। जिसके कारण प्लांट्स में रूट रॉट या ओवरवाटरिंग की समस्या नहीं होती है।

पौधक तत्वों पर दें ध्यान
जब आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि उस मिट्टी या पॉटिंग मिक्स में पर्याप्त पौधक तत्व हों। चूंकि इनडोर प्लांट्स बाहरी पौधों की तरह प्राकृतिक वातावरण से पौधक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं और इसलिए वे मिट्टी में मौजूद पौधक तत्वों पर निर्भर होते हैं।

चेक करें पीएच लेवल
मिट्टी के पीएच लेवल का सीधा असर प्लांट की ग्रोथ पर पड़ता है। हर प्लांट की जरूरतें अलग होती हैं। हालांकि, अधिकतर इनडोर प्लांट्स थोड़ा सा एसिडिक से न्यूट्रल पीएच रेंज पसंद करते हैं। इसलिए, जब भी आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनें, तो यह देखें कि वह आपके प्लांट्स की जरूरतों को पूरा करता हो।

कंटेनर साइज का भी रखें ध्यान
जब आप इनडोर प्लांटिंग के लिए मिट्टी को चुन रहे हैं तो आपको कंटेनर के साइज का भी ख्याल रखना चाहिए। मसलन, प्लांटिंग के लिए पॉट साइज छोटा है तो आपको लाइट मिक्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे ओवरवाटरिंग की समस्या ना हो। वहीं अगर पॉट साइज बड़ा है तो ऐसे में आपको ऐसी मिट्टी चुननी चाहिए, जिसमें एयरेशन या ड्रेनेज को लेकर समस्या ना हो।

स्टेरलाइज मिक्स का करें इस्तेमाल
कुछ इनडोर प्लांट्स कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसे में आपको उनके लिए स्टेरलाइज्ड पॉटिंग मिक्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे पौधों में रोगजनकों के प्रवेश के जोखिम को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

गाईन की मिट्टी ना करें इस्तेमाल
जब भी आप इनडोर प्लांटिंग कर रहे हैं तो आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आप गाईन की मिट्टी का इस्तेमाल ना करें। गाईन की मिट्टी थोड़ी अलग होती है और यह कॉम्पैक्ट हो सकती है। जिससे मिट्टी में एयरेशन और ड्रेनेज की समस्या हो सकती है। इससे पौधा मर भी सकता है।



कहीं आप भी तो नहीं हैं लो कॉन्फिडेंस की शिकार?

कॉन्फिडेंस कम होने के कारण जीवन के हर पड़ाव पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि आपनी कमजोरी को दूर कर आप अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने पर फोकस करें।

आत्मविश्वास जीवन में सफलता की कुंजी है। हालांकि कई बार परिस्थितियां व्यक्ति को आत्मविश्वास में कमी का शिकार बना देती हैं। धीरे-धीरे व्यक्ति पूरी तरह से अपना आत्मविश्वास खो देता है। कई बार व्यक्ति को खुद यह अंदाजा नहीं होता है कि उसमें असल में आत्मविश्वास की कमी है। कुछ संकेतों से यह समझा जा सकता है कि किसी में आत्मविश्वास की कमी तो नहीं। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखकर आत्मविश्वास को वापस भी पाया जा सकता है। तो चलिए इसी के साथ आर्टिफिस अर्थपाल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं आत्मविश्वास बढ़ाने के आसान तरीके।

आत्मविश्वास में कमी के ये हैं लक्षण?

अगर आप निर्णय लेने में घबराते हैं, हमेशा दूसरों से नकारात्मक रूप में अपनी तुलना करते हैं, किसी से मदद लेने में संकोच करते हैं, अपने बारे में नकारात्मक बातें बोलते हैं और विफलता का डर आपको घेरे रहता है, तो आपमें आत्मविश्वास की कमी है। अगर खुद में ऐसी आदतें पनपती नजर आएँ तो सतर्क हो जाएँ और ऐसे कदम उठाएँ जिनसे

आपका आत्मविश्वास लौट आए। अपनी तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाना, भविष्य को लेकर शंका में घिरे रहना और हमेशा लोगों को खुश करने की कोशिश में लगे रहना भी इसी का लक्षण है।

खुद को जानें

आत्मविश्वास की ओर बढ़ने की पहली सीढ़ी है खुद को समझना। अपने बारे में आने वाले नकारात्मक विचारों को मन से हटाइए और सकारात्मक बातें सोचिए। अगर कोई बात पसंद न आए तो सामने वाले को न कहना सीखिए। दूसरों से अपनी तुलना बंद कीजिए और कुछ ऐसा कीजिए जो आपको पसंद हो। हमेशा दूसरों की पसंद खुद पर हावी मत होने दीजिए।

अच्छी बातों का जश्न मनाइए

कभी-कभी हम अपने बारे में इतने नकारात्मक हो जाते हैं कि अच्छी बातों पर भी खुशी नहीं मना पाते हैं। ऐसा मत कीजिए। अगर कुछ अच्छा हो तो उसका जश्न मनाइए। अगर आपने कुछ अच्छा किया है और कोई आपको तारीफ कर रहा है, तो उसे स्वीकारिए। अपने बारे में उन बातों की सूची बनाइए, जो आपको पसंद हैं। अगर आप लोगों के मुँह से बुराईयाँ सुनकर दिल से लगा लेते हैं, तो अच्छाइयों को भी स्वीकारना सीखिए।

भरोसेमंद लोगों का नेटवर्क बनाइए

जीवन में कुछ ऐसे लोगों का साथ जरूरी है, जिनके साथ आपको अच्छा अनुभव होता हो। मन में कोई बात हो तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा कीजिए। अपना कोई

दुख ऐसे व्यक्ति से ही साझा कीजिए, जिस पर भरोसा हो। उन लोगों से बात कीजिए, जिनसे बात करके सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

खुद को चुनौती दीजिए

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि खुद को चुनौतियाँ दीजिए और फिर उन चुनौतियों को पूरा करने के बाद खुद को पुरस्कृत कीजिए। जब हम कोई चुनौती पूरी करते हैं, तो हमारा मन अपनी क्षमता को स्वीकारने के लिए प्रेरित होता है। एक बात ध्यान रहे, शुरुआत में अपने समक्ष छोटे-छोटे लक्ष्य रखिए। इससे लक्ष्य को पाना आसान होता है और एक के बाद एक लक्ष्य पाते रहने से आत्मविश्वास भी बढ़ता जाता है।



बचपन में ही सिखाएं बच्चे को सोशल स्किल्स

बच्चों को बचपन में काफी सारी बातें सिखाई जाती हैं। फिर चाहे वो खुद खाना खाने की बात हो या फिर उन्हें किसी बात को लेकर समझाने की। बच्चों को एक बार जो सिखा दिया जाता है, उसके बाद उन चीजों में बदलाव करना मुश्किल होता है, क्योंकि

बच्चे इस बात को समझने के लिए तैयार नहीं होते की जो पहले सिखाया वो सही है या जो बाद में उसे सिखाया जा रहा है वह सही है। ऐसे में अगर आप बच्चे के साथ स्ट्रॉंग रिलेशन शेयर करना चाहते हैं तो आपको बचपन में ही बच्चे को सोशल स्किल्स सिखाने की जरूरत है। जहाँ 5 जरूरी स्किल्स, जो हर किसी को अपने बच्चे को कन उठाने में ही सिखाना चाहिए।

चीजें बाटना (शेयर करना)

बचपन से सिखाना चाहिए कि 'शेयरिंग इज केयरिंग' यानी दूसरों के साथ बाटना देखभाल करने जैसा है। अपने बच्चों को शेयर करने के महत्व को बताने से स्ट्रॉंग रिलेशन बनाने में मदद मिल सकती है। शेयर करना बच्चों को समझौता और निष्पक्षता सिखाता है। इससे उन्हें यह सीखने में मदद मिलती है कि अगर वे दूसरों को थोड़ा देते हैं, तो बदले में उन्हें भी कुछ मिल सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे केवल तभी शेयर करने की इच्छा दिखाते हैं जब उनके पास बहुत ज्यादा मात्रा में चीजें हों, तीन से छह साल की उम्र के बीच, वे थोड़े स्वार्थी होते हैं। सात या आठ साल के बच्चे, बच्चे निष्पक्षता के बारे में अधिक परेशान हो जाते हैं और दूसरों के साथ शेयर करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

सुनना
सुनना एक और सोशल स्किल है, जिसमें ज्यादातर लोगों की कमी होती है, जिसमें बड़े भी शामिल हैं। सुनने का अर्थ यह नहीं है कि जब दूसरा बोल रहा हो तो चुप रहना, बल्कि समझना कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। जैसे बातचीत में बात करना और अपनी बात सामने रखना जरूरी है, वैसे ही सुनना भी जरूरी है। यह बच्चों को अकेलमिक्स में भी मदद करता है।

को-ऑरडिनेटिंग
सहयोग का मतलब आम तौर पर एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ अच्छे ढंग से काम करना होता है। स्किल्स में महारत हासिल करने से दूसरे व्यक्ति और समुदाय के साथ जुड़ने में मदद मिलती है। एक-दूसरे का सहयोग करने से बच्चों को दूसरों से सम्मान भी मिलता है। किसी भी लक्ष्य को आधा पूरा करने से उन्हें दूसरे लोगों की भावनाओं और विचारों को स्वीकार करना सीखने में मदद मिलेगी।

पर्सनल स्पेस की रिसपेक्ट
हर रिश्ते की शारीरिक और भावनात्मक सीमाएँ होती हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग होता है, और हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। कई बार मिलनसार होते हुए भी ज्यादातर लोग हद पार कर जाते हैं। मिलनसार होना और दूसरों के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना दो अलग-अलग चीजें हैं और दोनों के बारे में पता होना चाहिए। अपने बच्चे को सिखाएं कि कैसे परमिशन मांगें और बाउंडरी की पहचान करें।

मैनर्स
अच्छे मैनर्स सिखाना भी सोशल स्किल्स का एक हिस्सा है। थैंक यू, सॉरी का सही इस्तेमाल और टेबल तरीके का इस्तेमाल करने का एक अच्छा तरीका आपकी काफी मदद कर सकता है। ये स्किल स्कूल में पढ़ाए जाते हैं, लेकिन आपको भी इसकी प्रैक्टिस बच्चों से करावते रहना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ऐसे ऐसे पहचानें फेक प्रोफाइल

सोशल मीडिया पर अवसर अनजान प्रोफाइल से फेड, फॉलो और मैसेज रिकेस्ट आती रहती हैं। कई बार अनजान द्वारा भेजी गई रिकेस्ट भी हम स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन सावधान! यहाँ ऐसी कई प्रोफाइल हैं जो असली नहीं हैं। ये वो अकाउंट्स हैं जिन्हें धोखाधड़ी के लिए ही बनाया गया है। ठग फेक आईडी बनाकर लोगों से जुड़ते हैं, उनकी गतिविधियों पर नज़र रखकर अपना शिकार बनाते हैं। ऐसे में कौन-सी प्रोफाइल असली हैं और कौन-सी नहीं, यह जानकारी आवश्यक बन जाती है।

क्या करते हैं ठग?

पहले ठग फेक प्रोफाइल से रिकेस्ट भेजते हैं, स्वीकार होने पर व्यक्ति की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए जानकारी बुराते हैं। मैसेज के जरिए ठगने की कोशिश कर सकते हैं। आईडी हक कर सकते हैं या बैंक खाता खाली कर सकते हैं।

ऐसे पहचानें...

- फेक अकाउंट में तस्वीर किसी अन्य व्यक्ति की होती है, लेकिन व्यक्ति की जानकारी नहीं होती। कुछ मामलों में जानकारी और विवरण किसी और का हो सकता है। यें बड़ी संख्या में फॉलो करेंगे, लेकिन इनके फॉलोअर्स कम या शून्य होंगे। पोस्ट भी शून्य रहेंगी। ऐसा भी हो सकता है कि प्रोफाइल पिक्चर भी न हो।
- गूगल इमेज सर्व दूल् से प्रोफाइल पर लगी तस्वीर को स्कैन करें। अगर प्रोफाइल फोटो नकली होगी तो इसके जरिए पता चल जाएगा कि तस्वीर कहाँ से ली गई है।

- मैसेज पर बातचीत के दौरान व्यक्ति लालच दे सकता है, जैसे क्या आप घर बैठे पैसे कमाना चाहते हैं? वह कोई लिंक भी भेज सकता है। ऐसे में सावधान हो जाएँ।
- बातचीत के दौरान व्यक्ति कुछ असामान्य बातें कर सकता है, जैसे कि आप मुझे बहुत पसंद हैं, क्या आप मुझसे कल मिल सकते हैं/सकती हो? वो किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर भेजकर भी आपको अपनी तस्वीर भेजने का आग्रह कर सकता है।

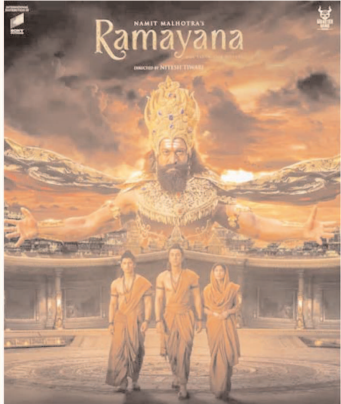
बचाव जरूरी है

ऐसी फेक प्रोफाइल को फॉलो और फॉलोअर्स की सूची से हटा दें। सूची से हटाने के बाद प्रोफाइल की रिपोर्ट करके ब्लॉक कर दें। बाद करते वक़्त कोई भी जानकारी साझा न करें।



दशहरे पर शुरू होगी रणबीर कपूर की 'रामायणम् पार्ट 1'

5 नवंबर की एडवांस बुकिंग



अभिनेता रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्म रामायणम् पार्ट-1 को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। निर्माता नमित मल्लोत्री की 4000 करोड़ के बजट में बने वाली इस पौराणिक फिल्म का एक नया पोस्टर मेकर्स की तरफ से रिलीज किया गया है। इतना ही नहीं नवरात्र के पहले

दशहरा से शुरू होगी एडवांस बुकिंग

नवरात्रि के पहले खास दिन के मौके पर रामायणम् के मेकर्स ने फिल्म से भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, सीता के रूप में साईं परलवी, लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे और रावण के भव्य अवतार में राकिंग स्टार यश का नया असेंबल पोस्टर जारी किया है। साथ ही घोषणा की है कि दो पार्ट वाली इस महाकाव्य के पार्ट 1 को दुनियाभर में 5 नवंबर 2026 रिलीज किया जाएगा। वहीं फिल्म की एडवांस बुकिंग दशहरा के मौके पर शुरू होने वाली है। इस घोषणा का समय भी खास मायने रखता है, क्योंकि नवरात्रि बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इस खुलासे के साथ फिल्म के थिएट्रिकल सफर को शुरुआत होती है, और संदेश को कहता है कि 'ये राम के युग का आरंभ है', ऐसे ज़रन को शुरुआत का संकेत देता है जो फिल्म की दुनिया भर में रिलीज तक बढ़ता ही जाएगा।

एडवांस बुकिंग को लेकर नया

रामायण पार्ट 1 को एडवांस बुकिंग इस दशहरे के मौके से शुरू होगी, और इस तरह से काउंटडाउन शुरू होने पर दर्शकों को एक ओर माइलस्टोन को हासिल करने का मौका मिलेगा। बता दें कि ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि किसी फिल्म की एडवांस बुकिंग विंडो रिलीज से करीब दो सप्ताह पहले औपन की जा रही है। अमूमन ये काम रिलीज से हफ्ते भर देखने को मिलता है।

दिन के शुभ अवसर पर मेकर्स ने रामायणम् की एडवांस बुकिंग का भी एलान किया है, जोकि आने वाले दशहरा से शुरू होगी। आइए इस मामले को थोड़ा और विस्तार से समझते हैं-

67वें दिन Hanuman Ansh के साथ हुआ

नीम करोली बाबा की कृपा से दुनियाभर में हुई छप्परफाड़ कमाई



'भगवान को अगर कृपा बरसानी हो तो वो कभी पीछे नहीं हटते, वहां देते हैं लेकिन अंधेर नहीं।' ऐसा ही कुछ हुआ हनुमान अंश के साथ। 7 अक्टूबर को रिलीज हुई फिल्म ने बैंक्स ऑफिस पर सफल 66 दिन पूरे कर लिया है। दो

महीने से भी ज्यादा समय के बावजूद फिल्म लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। इतने बड़ी-बड़ी फिल्मों की टक्कर देते हुए बता दिया कि अगर कहानी मजबूत हो और काम दिल से किया गया हो तो वो फल जरूर देता है।

पहले दो हफ्ते कमाए सिर्फ 40 लाख

दो हफ्ते में मात्र 40 लाख की कमाई करने वाली हनुमान अंश अपने 65वें और 66वें दिन क्रमशः 2.50 करोड़ और 2.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर रही है। ये वाकई चौकने वाली बात है लेकिन फिलहाल सच है। फिल्म की कहानी नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है और लोगो ने इसे खूब प्यार दिया। वहीं 67वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनलिक की रिपोर्ट के मुताबिक हनुमान अंश ने अपने 10वें सप्ताह को अभी तक 1 लाख रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इस हिसाब से धरेलू बैंक्स ऑफिस पर फिल्म की अब तक की कुल कमाई 334.49 करोड़ रुपये हो गई है।

दुनियाभर में लहराया कमाई का परचम

फिल्म के 90 शोज अभी भी चल रहे हैं और दुनियाभर में इसने कमाई का परचम लहराया है। दुनियाभर में इसने 435 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी हनुमान अंश का बजट सिर्फ 2 करोड़ बताया जा रहा है। इस डिवीशनल ड्रामा की कमाई ने तीसरे हफ्ते में जो रफ्तार पकड़ी वो अभी तक कम होने का नाम नहीं ले रही है। फिले के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए लग रहा है कि ये कमाई इस हफ्ते भी यू ही जारी रहेगी। शोभितव सत्या ने इसमें लीड रोल निभाया है। उनके अलावा पुर्णिमा तिवारी, चंदन के आनंद और अनिल रस्तोगी भी इसका अहम हिस्सा रहे। फिल्म के गानों की भी जनता का खूब प्यार मिला।

हिमाचल की लोक संस्कृति से जुड़ा गीत

मां-बेटी के खूबसूरत बॉन्ड को करता है बयां: कंगना रनौत का है फेवरट

क्या आपका पता है कि बॉलीवुड की 'क्वीन' कंगना रनौत का फेवरिट गाना कौन सा है? यह गीत कोई उनकी किसी फिल्म या फिर कोई कल्ट बॉलीवुड सॉनग नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश का लोकगीत है जिसे वह बचपन से सुनाती आ रही है वैसे का आप

जानत है। एक कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। वह हमेशा हिमाचल की संस्कृति के बारे में बताती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने हिमाचल के उस लोकगीत के बारे में बताया है जो उनका फेवरिट है। कंगना रनौत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर

हिमाचल का गेटअप म फाटाज शरर की हैं और खूबसूरत वादियों के बीच पोत्र देती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के बैकग्राउंड में उन्होंने हिमाचल का लोकगीत 'अम्मा छुट्टी' लगाया है। एक्ट्रेस ने इस गाने को मोस्ट अंडरेस्टेड सॉनग बताया है।



दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर दिखा Drishyam 3 का



वीकडे पर क्राइम थ्रिलर की कमाई में आया तगड़ा उछाल

अजय देवगन का दृश्यम 3 का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म ने रिलीज के सिर्फ 10 दिनों में ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। आज इसे बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 11 दिन पूरे हो चुके हैं और इसका शानदार प्रदर्शन जारी है। रिक्त-टोड ऑपनिंग वीकेंड और वीकेंड में थोड़ी सुस्ती के बाद इस थ्रिलर फिल्म ने दूसरे वीकेंड में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। फिल्म की यह जबरदस्त कामयाबी अजय के करियर का एक नया माइलस्टोन भी है, क्योंकि इसने उनकी पिछली हिट फिल्मों की कुल कमाई का रिक्त-टोड तोड़ते हुए उनकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का दर्जा हासिल कर लिया है।

किताबत रहा 11वें दिन का कलेक्शन अपने पहले हफ्ते में दृश्यम: द कन्वल्जन् ने 245.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसी के साथ दूसरे रविवार यानी 10वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका कलेक्शन

23 करोड़ रुपये पर आकर टिका। सैकनलक के मुताबिक 11वें दिन इसने अभी तक 1 लाख रुपये की कमाई कर ली है जिससे इसका कुल घरेलू कलेक्शन अभी तक 309.51 करोड़ रुपये हो गया है। लव्लव्हाइड फिल्म को कमाई 480 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इस बात में कोई शक नहीं कि दृश्यम आने वाले दो से तीन दिनों में 500 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर लेगी।

कौन-से कलाकार आए नजर बता दें कि 'दृश्यम 3: द कन्वल्जन्' इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फॉलो है। इसकी पिछली दो फिल्मों इसी नाम से आई मोहनलाल की मूल मलयालम फिल्म का रीमेक थीं, जबकि इस बार हिंदी में रिलीज हुई दृश्यम 3 की कहानी को बिल्कुल अलग रखा गया है। रजत कपूर, श्रिया सरन, इशिता दत्ता और गुणाल जाधव ने जहां अपने-अपने रोल में वापसी की है, वहीं जयदीप अहलावाल और प्रकाश राज के किदारों की नई एंट्री हुई है।

एक ही 'राग' पर बने थे लता मंगेशकर के दो गाने

रेखा और डिंपल कपाड़िया के रोमांटिक सॉन्स आज भी हैं कल्ट



संगीत की एक ही मेलोडी पर बने थे दो सॉन्ग

80 के दशक में लता दीदी द्वारा गाए गए सबसे यादगार गीतों के बारे में की जाए तो उत्तम रेखा की साल 1983 में आई फिल्म अगर तुम ना होते का टाइटल सॉन- हमें और जीने की चाहत ना होती...

इन दोनों गानों को सुनने के बाद ये साफ पता चलता है कि इनके म्यूजिक मेलोडी एक ही थी, लेकिन धुन और लिरिक्स को बदलता गया था। रेखा और डिंपल के इन दोनों गीतों के संगीतकार आरडी बर्मन थे, जिनोंने लता मंगेशकर द्वारा गाए गए इन सॉन्स को म्यूजिक दिया।

लेकिन एक ही राग पर बने के बावजूद पंचम दा के ये दोनों गाने काफी हिट रहे और आज भी रोमांटिक सॉन्स के तौर पर श्रोता ईश्वर सुनना पसंद करते हैं। इतना ही नहीं लता मंगेशकर के सर्वश्रेष्ठ गीतों को फेहरिस्त में भी इनके नाम शामिल रहते हैं। मालूम हो कि लता मंगेशकर ने बॉलीवुड के कई शानदार नामों गाए, जिनकी गुंज आज भी सिनेमा जगत में अमर है। किशोर दा ने भी दिया था साथ

श्रद्धि कपूर और डिंपल कपाड़िया की सागर फिल्म अपने बेहतरीन गीतों के लिए याद की जाती है।

एक-एक कर सबका नाश...नाना पाटेकर के निधन के बाद महाकाल पहुंची तनुश्री दत्ता



मौत को बताया पोजिटिव डेवलपमेंट

नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर की सुबह गोवा में 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इसका कारण जबरदस्त कांस्ट्रिक्ट अरेस्ट बताया जा रहा है। एक तरफ जहां कई सेलेब्स ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया वहीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता का बयान बेहद चौकाने वाला था।

एक्ट्रेस की हुई थी बहुत आलोचना उन्होंने इसे 'इविल डेड' बताया जिसके बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब इन तमाम आलोचनाओं के कुछ दिनों बाद ही तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट शेयर की है। बता दें कि एक्ट्रेस ने सालों पहले फिल्म सेट पर नाना पाटेकर पर चीन

उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अब इस नई पोस्ट में तनुश्री महाकाल बाबा के दर्शन करने पहुंची हुई हैं और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी जिंदगी से बुराई हमेशा के लिए चली गई है। शोयर किए गए वीडियो में तनुश्री महाकाल की मूर्ति के सामने प्रार्थना करती नजर आ रही हैं।

बाबा के दरबार में हाथ जोड़कर की प्रार्थना

तनुश्री ने आगे लिखा, 'यह किताब बड़ा संगम है कि मेरी जीवन में इतनी पोजिटिव घटना घटने के बीच मुझे महाकाल के दर्शन करने का अवसर मिला। हालांकि मुझे भुलू की खबर की सच्चाई पर पूरा संदेह है। मैं समुचित यकी कमाना और आशा करती हूँ कि यह बुराई हमेशा के लिए पार जाए और मेरी जीवन की सारी बुराया एक-एक करके दूर हो जाए। (इन्होंने आगे लिखा, 'वही मेरी दिन से दुःख है, प्रार्थना है, महाकाल बाबा से हादिक इच्छा है। मैंने इनसे काफी कुछ नहीं गाया।) उनकी भक्ति और उनका आशीर्वाद ही काफी था हमेशा मेरे लिए लेकिन आज मैं अपने सभी देवी-देवताओं से कह रही हूँ।

'मॉन्स्टर' में दिखेगा सलमान खान का 'रॉ' अवतार

मेकर्स ने 'भाईजान' के लिए बनाया 50 दिनों का मास्टरप्लान!

सलमान खान अपना फिल्म का शूटिंग शेड्यूल से लेकर रेटेलिजन्स कमिटमेंट्स को बड़ी अच्छी तरह से बैलेंस कर रहे हैं। बता दें कि सुपरस्टार अपनी आने वाली पैन-इंडिया एक्शनर ईद 2027 पर रिलीज होने वाली फिल्म के लिए कई मुखिकल, हैड-टू-हैड कॉन्वेंट सॉन्स के लिए तैयारी कर रहे हैं।

फिल्म में सलमान करेंगे हाई-स्टेक एक्शन: सुपरस्टार सलमान खान अपनी अपकमिंग एक्शन ड्रामा मॉन्स्टर के साथ दर्शकों के बीच उत्सुकता को अगले लेवल पर पहुंचा रहे हैं, क्योंकि फिल्म शूटिंग के दौरान वेर में पहुंच चुकी है।

वामश्री रैंडिपेण्टी द्वारा डायरेक्ट की जा रही यह पैन-इंडिया फिल्म अपने ऑफिशियलली फिनिश लाइन की तरफ



तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सुपरस्टार फिल्म के लिए हाई-स्टेक्स, बलोज-क्वार्टर कॉन्वेंट सोवर्स की शूटिंग करने

के लिए 50-दिन के जबरदस्त शेड्यूल की तैयारी कर रहे हैं।

मॉन्स्टर में 'भाईजान' करेंगे जमीनी

एक्शन: फिल्म की टीम ने इन एक्शन सॉन्स की शूटिंग के खातिर सेटअप को मीरा रोल के एक स्टूडियो में तैयार किया है। फिल्म में मेकर्स रलीसी इफेक्ट्स के बजाए बिल्कुल रॉ और जमीन से जुड़ा एक्शन दिखाना चाहते हैं। इस तरह से सलमान खान फिल्म में अपने विरोधियों के साथ जबरदस्त अंदाज में भिड़ते हुए नजर आने वाले हैं।

फिल्म की प्रिंसिपल फोटोग्राफी की शुरुआत मुंबई में अप्रैल 2026 के बीच में शुरू हुई थी, जिसके बाद से ही 'मॉन्स्टर' को बड़े पैमाने पर आकार दिया जा रहा है। ऐसे में फिल्म की टीम ने इसी साल कुल 6 हफ्ते की गैरगंगांव में बेहद बिजी शूटिंग शेड्यूल को पूरी की, जिसमें लॉज स्कूल एक्शन सीक्वेंस, भीड़ वाले सीन और अश्रकानिस्तान के एक गांव का बयाना गया कमाल का सेटअप शामिल था। जिसके बाद मुंबई में आगे बढ़ते हुए सिब्रार के महीने में कुल 10 दिनों की पूरी तरह से फोकस्ड फाइटिंग की ट्रेनिंग का शेड्यूल रखा गया।

ईद 2027 में सिनेमाघरों में होगा धमाका: सलमान खान अपने सिनेघर बड़े एथिक्स को बरकरार रखते हुए बिग बॉस 20 (क़हद इमहाब 20) को लेकर किए गए कमिटमेंट से लेकर डिमांडिंग फिजिकल एक्शन शेड्यूल तक को खूबसूरती से बैलेंस कर रहे हैं। वह फिल्म की भी बराबर का समय देते हुए उसकी शूटिंग को नवंबर के तय समय पर खत्म करने की राह पर हैं। अब जब फिल्म अपनी शूटिंग के फाइनल लेप में इंटर कर रही है, तब दीप फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन को तैयारी में लग जायगी ताकि इसे ईद 2027 के मौके पर रिलीज किया जा सके।

सलमान के साथ नजर आएंगे ये कलाकार: दिल राजू के प्रोडक्शन के प्रोडक्शन श्री वेंकटेश्वर किराण्णन के बैनर तले बन रही 'मॉन्स्टर' में सलमान खान के साथ नवराज, जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, राहुल देव, रौनक राय और सोमा विजयस भी स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं।

84 की उम्र में भी इतने फिट कैसे हैं 'महानायक' अमिताभ बच्चन

का डेली रूटीन आपको भी कर देगा मोटिवेट



भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन 11 अक्टूबर 2026 को 84 साल के हो गए हैं। इस उम्र में भी वे रेटायर नहीं हुए बल्कि टीवी से लेकर फिल्मों और यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी बराबर रूप से एक्टिव हैं। लेकिन सवाल ये है कि आखिर इस उम्र में भी बिग बी इतने एक्टिव, एनर्जेटिक और काम को लेकर इतने पेशेवर कैसे हैं? बॉलीवुड के इस दिग्गज कलाकार की दिनचर्या शेड्यूल और फिटनेस के प्रति उनका समर्पण आज

भा लागा का ध्यान ख़ासता है। 'कौन बनागा करोड़पति' को होस्ट करने से सेहत को लेकर ब्या है 'बिग बी' का नज़रिया: लेकर रेगुलर एक्सरसाइज रूटीन बनाए रखते तक, इस अनुभवी एक्टर ने दिखाया है कि उस बूढ़े के साथ एक्टिव रहना किताब तक नहीं। हालांकि उस बूढ़े पर मांसपेशियों की ताकत, जोड़ों की गतिशीलता के अनुसार, संतुलन में बदलाव आ सकते हैं, लेकिन फिटनेस के प्रति बच्चन का नज़रिया एक दिलचस्प उदाहरण पेश करता है कि कैसे जिंदगी के बाद के सालों में भी शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता दी जा सकती है। उनके ट्रेनर ने बताया है कि एक्टर ने दो दशकों से भी ज्यादा समय से एक बहुत ही रेगुलर एक्सरसाइज

रूटीन का पालन किया है, जिसमें उनका बदलती शारीरिक जरूरतों के हिसाब से बदलाव किए गए हैं। बच्चन की फिटनेस यात्रा की सबसे खास बातों में से एक है उनकी निरंतरता। सिर्फ दिखावे या बहुत ज्यादा मुखिकल वर्कआउट पर ध्यान देने के बजाय, ताकत, गतिशीलता और कुल मिलाकर सेहत पर जोर दिया जाता है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' के अनुसार, सैलेंटिटी के चले आ रहे एक्सरसाइज रूटीन के बारे में लंबे समय से आ रहे एक्सरसाइज रूटीन के बारे में बता की थी। भट्ट के अनुसार, उनकी पत्नी और फिटनेस कोच वृंदा ग्रीवर ने बच्चन के साथ लगभग 26 वर्षों तक काम किया है और उन्हें एक व्यवस्थित ट्रेनिंग प्रोग्राम बनाए रखने में मदद की है।

इन महिलाओं की पहल बताती है कि महतारी योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का सदुपयोग चलने वाले इस अभियान के तहत मतदान केंद्रों में स्वतंत्र रूप से उपयोग कर सके। लिए किया है। दिया है।

"साहित्य सृजन की स्वर्णिम 50वीं काव्य संध्या- शब्दों की साधना, संवेदनाओं का उत्सव और साहित्य का सम्मान"

साहित्य सृजन की स्वर्णिम यात्रा-शब्द कभी मौन नहीं होते-वे विचार बनकर जन्म लेते हैं

वरिष्ठ पत्रकार तस्मीनारायण लहरे

शब्द जब संवेदना से जुड़ते हैं, भाव जब अभिव्यक्ति का रूप लेते हैं और विचार जब साहित्य की गुंथांग विखिले होते हैं, तब एक ऐसी सांस्कृतिक संध्या का सृजन होता है, जो केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की चेतना को जागृत करने का माध्यम बन जाती है। कुछ ऐसा ही साहित्यिक, भावनात्मक और गौरवमय वातावरण आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित बुंदान हॉल में देखने को मिला, जहां साहित्य सृजन संस्थान की निरंतर आयोजित होने वाली मासिक काव्य संध्या ने अपनी 50वीं स्वर्णिम यात्रा पूरी की है।

शब्द, सृजन, संवेदना और संस्कार के मूल भागों का अनुसंधान करते हुए आयोजित इस गोपबंद बुंदानी काव्य संध्या में 50 कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य, समाज, जीवन, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन विचारों को अभिव्यक्ति दी। कविता के विविध रंगों, भावों की गहराई और शब्दों की शक्ति ने इस आयोजन को साहित्यिक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। कविता केवल शब्दों का संयोजन नहीं, संवेदनाओं की जीवंत अभिव्यक्ति है।

काव्य संध्या का वास्तविक अर्थ केवल कविताओं का पाठ करना नहीं, बल्कि भावनाओं, अनुभूतियों, विचारों और जीवन के अनुभवों को शब्दों के माध्यम से जमानस तक पहुंचाना है। साहित्य वह सशक्त माध्यम है जो कभी समाज को आईने दिखाती है, कभी मनुष्य के अंतर्मन को व्यक्त करती है और कभी समय की विराग्तियों के विरुद्ध चेतना का स्वर बनकर उभरती है। साहित्य सृजन संस्थान की 50वीं काव्य संध्या ऐसी साहित्यिक परंपरा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आई। निरंतरता, रचनात्मकता और



साहित्य के प्रति समर्पण से सजी इस यात्रा ने यह संदेश दिया कि साहित्य की सार्थकता केवल लिखने और पढ़ने में नहीं, बल्कि विचारों को जीवंत बनाए रखने और समाज में संवेदना का विस्तार करने में निहित है।

डॉ. संजय अलंग की गरिमायुगी उपस्थिति: कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईएस अधिकारी डॉ. संजय अलंग उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मिलाई की वरिष्ठ राष्ट्रीय कवयित्री संजय झाड़ी तथा कोरवा की लोकप्रिय कवयित्री फिरोजा खान ने अपनी गरिमायुगी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर अजीत भगने ने की। साहित्य और संस्कृति के प्रति समर्पित इस आयोजन में कवियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ साहित्यिक संवाद और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करने की भावना प्रमुख रही।

50 कवि, 50 अभिव्यक्तियां और साहित्य के नाम एक खर्णिम अध्याय: 50वीं काव्य संध्या का विशेष आकर्षण 50 कवियों का काव्य पाठ रहा। प्रत्येक रचना अपने भीतर एक अलग भावमय, एक अलग दृष्टिकोण और जीवन को देखने का विशिष्ट नजरिया समेटे रही। कविता के माध्यम से कहीं

संवेदनाओं को कोमलता दिखाई दी, तो कहीं विचारों की खरटा और सामाजिक संस्कारों की गुंज सुनाई दी। यह आयोजन उन सभी रचनाकारों के लिए एक साझा मंच बना, जहां शब्दों को सम्मान, भावनाओं को अभिव्यक्ति और साहित्यिक प्रतिभा को पहचान मिली। संस्थान की यह उपलब्धि उसकी निरंतर सक्रियता और साहित्य के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक बनी।

साहित्यकारों के साथ पत्रकारिता का भी हुआ सम्मान: इस खर्णिम अवसर पर साहित्यिक योगदान के साथ पत्रकारिता को भी सम्मान दिया गया, कार्यक्रम में मीडिया रिपोर्टर एवं पत्रकारों को श्रेष्ठ रिपोर्टर सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। वहीं, कवियों को उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्ति के लिए श्रेष्ठ काव्य पाठ सम्मान प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। यह सम्मान समारोह इस विचार को रेखांकित करता है कि साहित्य और पत्रकारिता दोनों ही समाज की चेतना को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साहित्यकार अपनी कलम से संवेदनाओं और विचारों को स्वर देते हैं, जबकि पत्रकार समाज की घटनाओं, समस्याओं और उपलब्धियों को जनवह सम्मान समारोह इस

विचार को रेखांकित करता है कि साहित्य और पत्रकारिता दोनों ही समाज की चेतना को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साहित्यकार अपनी कलम से संवेदनाओं और विचारों को स्वर देते हैं, जबकि पत्रकार समाज की घटनाओं, समस्याओं और उपलब्धियों को जमानस तक पहुंचाते हैं। दोनों की सार्थक भूमिका एक जागरूक, संवेदनशील और विचारशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण है।

निरंतरता से उपलब्धि तक का सफर: किसी साहित्यिक आयोजन का 50वें पड़ाव तक पहुंचना केवल एक संध्या की उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर साधना, सामूहिक सहभागिता और साहित्य के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है। साहित्य सृजन संस्थान की यह खर्णिम काव्य संध्या इस बात का प्रमाण है कि जब शब्दों के प्रति समर्पण, जीवन के प्रति समर्पण और संवेदनाओं के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहती है, तब साहित्यिक परंपरा समय के साथ और अधिक समृद्ध होती जाती है। बुंदवान हॉल में आयोजित यह काव्य संध्या साहित्य, संस्कृति, पत्रकारिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के सुंदर समन्वय के रूप में यादगार बनी। 50वीं काव्य संध्या ने न केवल कवियों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का मंच दिया, बल्कि साहित्यिक मूल्यों को सहजाने और सम्मान में संवेदना, विचार तथा संस्कारों की ज्योतिष प्रज्वलित रखने का संदेश भी दिया।

साहित्य सृजन की यह खर्णिम यात्रा इस विश्वास को और दृढ़ करती है कि शब्द कभी मौन नहीं होते-वे विचार बनकर जन्म लेते हैं, संवेदना बनकर हृदय में उतरते हैं और साहित्य बनकर दुनिया तक अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। मानस तक पहुंचाने की सार्थक भूमिका एक जागरूक, संवेदनशील और विचारशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण है।

रायपुर के खरोरा में जंगल में चल रहा था जुए का अड्डा, 13 जुआरी हुए गिरफ्तार

सांढे 11 लाख का मशरूका जल्द, मुख्य सरगना पूर्व उपसरपंच फरार

नई दृष्टिविडु / रायपुर



खरोरा थाना क्षेत्र के सारागांव में जंगल के भीतर इमरजेंसी लाइट लगाकर चल रहे जुए के फंड पर रायपुर ग्रामीण पुलिस ने बड़ी दक्षिण दी। पुलिस ने मौके से 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य सरगना उमेश साहू फरार है। फरार आरोपी सारागांव का पूर्व डप सरपंच बताया जा रहा है।

पुलिस ने मौके से 3,48,820 रुपये नगद, ताश की गड्डियां, 12 वोल्ट बैटरी, कन्वर्टर, लाइट स्टैंड, एक वेन्यू कार CG04 NP 2696,

7 मोटरसाइकिल और 1 स्कूटी जन्म की है। कुल जन्म मशरूका 11,53,820 रुपये आंका गया है। गिरफ्तार जुआरी रायपुर, बिलासपुर, बलौदाबाजार सहित कई जिलों के निवासी हैं। आरोपियों में गोलू यादव, कोशल साहू उर्फ राजा, डिगेश्वर वर्मा, मूलचंद साहू, शत्रुहन वर्मा, नारायण चंद्रकार, दीपक दास मानिकपुरी, अभय सिंह, राजु सोनी, भाव सिंग, एस राज निषाद, खिलेश्वर वर्मा शामिल हैं। खरोरा थाने में जुआ पकट और संगठित अपराध की धाराओं में FIR दर्ज कर फरार सरगना की तलाश शुरू कर दी गई है।

दुर्ग की DSP आकर्षि कश्यप का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवा, 2 सप्ताह में 2 रजत पदक जीते

नीदरलैंड के बाद तुर्किये में भी शानदार प्रदर्शन, अब जर्मनी में HYLO Open में दिखाएंगी दम



ने उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

दुर्ग। दुर्ग पुलिस में डीएसपी के पद पर पदस्थ अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षि कश्यप ने चोटे से उबरने के बाद जोरदार वापसी की है। उन्होंने दो सप्ताह के भीतर दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। पहले नीदरलैंड में आयोजित प्रतियोगिता में आकर्षि ने सेमीफाइनल में डेनमार्क की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमाली शुल्ज को सीधे सेटों में 21-15, 21-13 से हराकर फाइनल में जगह बनाई और रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद तुर्किये इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियन में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। तीन दिनों में पांच कड़े मुकाबले खेलने की शारीरिक चुनौती के बीच उन्होंने दूसरा रजत पदक अपने नाम किया। लगातार दो पदक जीतना उनके अनुशासन और फिटनेस का प्रमाण है। अब आकर्षि 27 अक्टूबर से जर्मनी में होने वाली रू छह डब्ल्यू बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जिसके लिए वे 23 अक्टूबर को रवाना होंगी। दुर्ग पुलिस परिवार

क्यूसीएफआई भिलाई के 17वें चैप्टर कन्वेंशन में क्वालिटी के साथ सुरक्षा पर दिया गया जोर

आईपी मिश्रा विजनरी एजुकेशन लीडर अवार्ड से सम्मानित

नई दृष्टिविडु / भिलाई

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया, भिलाई चैप्टर द्वारा श्री शंकराचार्य टेम्पिकल केमिस्ट में 17वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स CQC-2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम क्वालिटी के साथ उद्योगों में सुरक्षा पगाली को सुदृढ़ करना और इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल रहा।

दो दिवसीय कन्वेंशन में देश के 40 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों की 222 टीमों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, असम, झारखंड, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से लेले-BSP, DSP, RSP, BSL, हिंजालको, नाल्को, उल्का एड्युमिना, बाल्को, एनटीपीसी जैसे संस्थानों की टीमों ने इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल, तीन क्वालिटी सर्कल और काइजेन श्रेणियों में प्रस्तुतियां दीं।

आईपी मिश्रा को विजनरी एजुकेशन लीडर अवार्ड: शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए एजुकेशन लीडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। QCF के इंडी वंशरं राकेश कुमार, QCF के इंडी वंशरं श्रीवास्तव और डायरेक्टर जीपी सिंह ने शाल, श्रीफल और सम्मान चिन्ह प्रदान किया। इस



40 संस्थानों की 222 टीमों ने की शिरकत, इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल में रिकॉर्ड भागीदारी

वैरान हॉल में स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया।

सुरक्षा पोस्टरों का वितरण: कार्यक्रम पर व्यवहार आधारित सुरक्षा को प्रेरित करने के लिए QCF के पीआरओ सत्यनारायण नायक द्वारा डिजाइन किए गए 4 विशेष पोस्टरों का नि:शुल्क वितरण सभी टीमों को किया गया।

वेस्ट ऑफ द कन्वेंशन: सेफ्टी सर्कल में लेन-भिलाई इस्पात संकट के टर्न-2 की टीम 'स्टील टाइटन' और क्वालिटी सर्कल में NMDC स्टील नगरनार की टीम 'मंथन' ने वेस्ट ऑफ द कन्वेंशन का खिताब जीता। उल्क्यूटी सर्कल को गोल्ल और सिल्वर अवार्ड प्रदान किए गए।

अतिथियों के विचार: मुख्य अतिथि BSP इंडी वंशरं राकेश कुमार ने कहा, "भारत को आत्मनिर्भर बनाने में उद्योगों की

बड़ी भूमिका है। सुरक्षा के बिना क्वालिटी असंभव है। काम इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे।" चेयरमैन आईपी मिश्रा ने कहा, "प्रतिस्पर्धी दौर में क्वालिटी और सेफ्टी को अपनाता अनिवार्य है, सेफ्टी सर्कल की पहल मौल का पथर साबित होगी।"

कार्यक्रम में दुर्गापुर स्टील प्लांट के इंडी सीन्यू टोकदार, JSW रायगढ़ के युनित हेड परेश शाह, शोरी चेयरमैन एनके बंछोर, APL अगोलो के सीईओ वंजेश नाहर सहित कई उद्योग विशेषज्ञ मंचस्थ रहे। संचालन सत्यनारायण नायक ने किया। आयोजन में सचिव जीपी सिंह के नेतृत्व में वीरें चौधरी, अजित मिश्रा, डॉ. सिद्धार्थ चौबे, डॉ. आभा चौबे, सुनील त्रिवेदी सहित पूरी टीम का योगदान रहा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप निलंबित

वित्तीय अनियमितता, फर्जी पीएचडी और सरकारी कार में छेड़छाड़ के आरोपों में कार्रवाई

नई दृष्टिविडु / रायपुर-मिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के पूर्व कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप को राज्य शासन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर द्वारा 12 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया है। शासन के आदेश में उल्लेख है कि कुलदीप के विरुद्ध विविध अनियमितताओं, फर्जी पीएचडी डिग्री, सरकारी कार के दुरुपयोग और आपराधिक न्यास भंग जैसे गंभीर आरोप हैं।

149384 रुपये बेटे के खाते में

ट्रांसफर, FIR दर्ज

आदेश के अनुसार कुलदीप ने अर्द्धकुशल दैनिक चेतन गोपी कर्मचारी शुभांगी भार्गो के बेटेन में से 1,49,384 रुपये अपने बेटे के खाते में ट्रांसफर कराए। इस पर मोहन नार थाने में अपराधक्रिम 0550/2026, बारा 316(4) BNS के तहत मामला दर्ज हुआ। 13 अगस्त को गिरफ्तारी के बाद वे वर्तमान में जमानत



पर हैं।

जांच समिति ने पुष्टि की अनियमितता

कार प्रकरण की जांच के लिए आयुक्त उच्च शिक्षा ने डॉ. अनुपमा अस्थाना और डॉ. अजय सिंह की दो सदस्यीय समिति बनाई थी। समिति ने पाया - शासकीय वाहन CG 02 6681 का निजी उपयोग, दुरुपयोग प्रसार कार की मरम्मत बिना बीमा क्लेम के, फर्जी बिल

- बाबू डेंटिंग से मरम्मत करारक शुक्ला इंटरप्राइजेज का बिल लगाया, ओडीमीटर में 5000 किमी की छेड़छाड़, कुलपति के अधिकारों का बिना अनुमोदन उपयोग, समिति ने राशि वसुली और वित्धिक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। फर्जी पीएचडी की जांच निजी विश्वविद्यालय विनियामक के ने की है।

शासन ने छल्लागढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 91(1)(क) के तहत निलंबित कर मुख्यालय उच्च शिक्षा संचालनालय, इंदौरवा भवन, नवा रायपुर तय किया है। विभागीय जांच के लिए पृथक से आरोप पत्र जारी होगा।

ज्वेलरी दुकान से 1.88 करोड़ की धोखाधड़ी, महिला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिविडु / रायपुर

सदर बाजार स्थित उसकी विधी ज्वेलर्स एंड बुलियन दुकान में 24 अगस्त 2026 को किरण साहू नामक महिला अपनी एक महिला साथी के साथ आई तथा स्वयं को गहने निगम के आवास विभाग में कार्यरत बताकर दिवसान अर्जित किया। इसके बाद दोनों ने दुकान से लगभग 37 लाख रुपए के आभूषण लिए, जिसके पत्रज में 250 ग्राम सोने का बिस्कुट एवं 07 लाख रुपए समद दिए, शेष 15 लाख रुपए के भुगतान हेतु चेक दिया।

26 अगस्त 2026 को दोनों पुनः दुकान आकर लगभग 1.73 करोड़ रुपए के सोने, चांदी एवं हीरे के आभूषण ले गई तथा भुगतान के एवज में 1,73,37,630 रुपए का

दूसरा चेक दिया। दोनों ने दो-तीन दिनों में सोने के बिस्कुट देने का अश्वभावना दिया। प्राथी द्वारा 01 सितंबर 2026 को 15 लाख रुपए का चेक बैंक में जमा करने पर गलत हस्ताक्षर के कारण चेक अमंजूरित हो गया। इसके बाद संपर्क करने पर किरण साहू टाटलमटोल करती रही तथा न ही राशि का भुगतान किया और न ही आभूषण का हिसाब दिया। इस प्रकार किरण साहू एवं उसकी साथी द्वारा प्राथी से कुल 1,88,37,630 मूल्य के आभूषण प्राप्त कर धोखाधड़ी किए। प्राथी की रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 402/26 बारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

आज से पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, प्रदेशभर में प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर पटवारियों ने मोर्चा खोल दिया है। आज से प्रदेशभर के पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में पटवारी प्रदर्शन करेगें। मिली जानकारी के अनुसार, पटवारियों ने हड़ ऐप में काम करने को लेकर मोर्चा खोला है। जिसके चलते वे आज सड़क पर उतर रहे हैं। पटवारियों की मांग है कि हड़ ऐप में काम करने की व्यवस्था को बंद किया जाए। इसके अलावा वेतन विसंगति दूर करने और प्रमोशन से जुड़े मुद्दों का भी जल्द समाधान करने की मांग की जा रही है। पटवारियों का कहना है कि उनकी इन मांगों को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है, लेकिन अभी तक उन्हें कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। इसी वजह से अब पटवारियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है।

GOSWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

मिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
- One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना

पलाई ऐश त्रिवस

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

Followed by_s_andeep

Order Now: @baked.by.suhani MO.6263734520